Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 208 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 06 सितंबर 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

शिवाजी की मूर्ति गिरने के मामले में एक्शन, 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजे गए ठेकेदार-सलाहकार

मुंबई. महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में गिरफ्तार मूर्ति के ठेकेदार जयदीप आप्टे और संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि चेतन पाटिल और जयदीप आप्टे को मालवन की एक अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने पूछताछ के लिए उनकी हिरासत मांगी, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने उन्हें 10 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक शिवाजी की मूर्ति के संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल को 30 अगस्त को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया था, जबकि ठेकेदार जयदीप आप्टे को घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज होने के करीब 10 दिन बाद बुधवार रात ठाणे जिले के कल्याण से हिरासत में लिया गया।

वहीं मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे के वकील गणेश सोवानी ने कहा कि मूर्तिकार ने बुधवार रात को आत्मसमर्पण करने का इरादा बनाया था और वह जांच में सहयोग करने के लिए तैयार थे। वहीं सुनवाई के दौरान सोवानी ने अदालत से कहा,

कोलकाता रेप-मर्डर केसः पुलिस ने कहा हमने जिम्मेदारी निभा दी

बेटी का शव देते वक्त पुलिस ने पैसे आफर किए-पीड़ित के पिता

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में बुधवार देर रात सड़कों पर हजारों की संख्या में लोग हाथ में कैंडल लेकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर को लेकर आज 28वें दिन प्रदर्शन जारी है। बुधवार देर रात डॉक्टर के माता-पिता भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

पीड़ित के पिता ने कहा- पुलिस शुरुआत से ही इस केस को दबाने की कोशिश कर रही है। डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने तक हमें पुलिस स्टेशन में इंतजार करना पड़ा। बाद में, जब बेटी का शव हमें सौंपा गया तो एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने हमें पैसे देने की पेशकश की।

कोलकाता रेप-मर्डर पीड़ित के माता-पिता भी बुधवार को प्रदर्शन में शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है

कि रेप पीड़ित या उसके परिवार की पहचान उजागर न हो, इसलिए हम उनकी फोटो को ब्लर करके दिखा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने हाथ में कैंडल लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने हाथ में कैंडल लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में बुधवार देर रात कोलकाता में प्रदर्शन जारी रहा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा। उन्होंने मांग की है कि वे वर्तमान में कोलकाता के पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को

कोलकाता पुलिस पर पीड़ित के पेरेंट्स के 2 आरोप

1. जब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ, 300-400 पुलिस वालों ने हमें घेर रखा था, लेकिन अंतिम संस्कार हो जाने के बाद वहाँ एक भी पुलिस वाला नहीं दिखा। परिवार क्या करेगा, कैसे घर जाएगा, पुलिस ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली।

2. जब घर में बेटी का शव माता-पिता के सामने पड़ा था और हम आंसू बहा रहे थे, तब पुलिस पैसे दे रही थी, क्या यही पुलिस की मानवता है? पुलिस कह रही थी कि उन्होंने अपनी सारी जिम्मेदारियाँ पूरी कर दी हैं, क्या इसे ही जिम्मेदारी निभाना कहते हैं?

दिए गए राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक को वापस ले लें।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनी डॉक्टर के बारे में सोशल मीडिया पर की जा रही घिनौनी पोस्ट पर 18 सितंबर तक ष्टक्क्ठ से रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने कहा कि पीड़िता की तस्वीर के साथ ऐसी घिनौनी टिप्पणियां की गई हैं, जो समाज के किसी भी सदस्य को स्वीकार्य नहीं हैं।

कोलकाता के श्याम बाजार इलाके में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर विरोध प्रदर्शन किया था।

पश्चिम बंगाल में हजारों महिलाओं ने बुधवार रात प्रदर्शन किया। इसे रिक्लेम द नाइट नाम दिया गया। हालांकि इस दौरान दो जगह प्रदर्शन कर रही महिलाओं से छेड़छाड़ हुई। पहली घटना कोलकाता के जादवपुर की है। जहां एक बस स्टैंड पर एक व्यक्ति ने महिला के साथ गलत हरकत की। वहीं दूसरी घटना साउथ कोलकाता के गरिया इलाके की है। यहां नशे की हालत में एक शख्स ने कई महिलाओं से दुर्व्यवहार किया। दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है।

सुकांत मजूमदार बोले- टीएमसी संदीप घोष को बचा रही है

केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि हमारे राज्य में बलात्कार हुआ है। अगर ममता में हिम्मत है तो इस्तीफा दें। मैं इस राज्य से केंद्रीय मंत्री हूं। अगर ममता इस्तीफा देती हैं तो मैं भी रिजाइन करने को तैयार हूं। तृणमूल कांग्रेस आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को बचाने की कोशिश कर रही है। ममता ने उन्हें एक के बाद एक पदों पर नियुक्त किया। जब उन्हें आरजी कर में प्रिंसिपल के पद से हटाया गया तो उन्हें नेशनल मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

शराब नीति केस-केजरीवाल की जमानत पर फैसला सुरक्षित

वकील बोले- गिरफ्तारी रिहाई रोकने के लिए; सीबीआई ने कहा- बेल के लिए ट्रायल कोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में गुरुवार को अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले केजरीवाल और सीबीआई का पक्ष सुना।

अदालत में वकील ने कहा कि केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार किया गया, ताकि वे जेल से बाहर ना आ सकें जबकि जमानत नियम और जेल अपवाद है। मनीष सिसोदिया को जमानत देते वक्त कोर्ट ने यही कहा था। ष्टक्क्ठ ने दलील दी कि केजरीवाल को जमानत के लिए पहले ट्रायल कोर्ट जाना चाहिए, सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं आना चाहिए। अगर उन्हें जमानत मिली तो हाईकोर्ट को निराशा होगी।

केजरीवाल की जमानत और सीबीआई की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच सुनवाई कर रही है। केजरीवाल का पक्ष वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी रख रहे हैं जबकि सीबीआई को एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू रिप्रेजेंट कर रहे हैं।

केजरीवाल को शराब नीति से जुड़े श्वष्ठ केस में सुप्रीम कोर्ट से ही 12 जुलाई को जमानत मिल चुकी है। इस केस में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह, दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और भारत राष्ट्र समिति लीडर के कविता को जमानत दी जा चुकी है।

केजरीवाल की जमानत पर सिंघवी की दलीलें :-

यह अनोखा मामला है। सीबीआई के सख्त नियमों के बावजूद केजरीवाल को 2 बार जमानत दे दी गई। सीबीआई केस में जमानत क्यों नहीं मिल सकती है।

सीबीआई ने दलील दी है कि केजरीवाल सहयोग नहीं कर रहे हैं। कोर्ट के ही आदेश में कहा गया है कि यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि आरोपी खुद को दोषी बता दे।

अमेरिकी संस्थान की रिपोर्ट

स्वच्छ भारत मिशन में शौचालय बनने से हर साल 60-70 हजार बच्चों की बची जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वच्छ भारत अभियान के तहत बनाए गए शौचालयों ने हर 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु रोकने में मदद की है। एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई।

दरअसल, अमेरिका के 'फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट' के शोधकर्ताओं की एक टीम ने 35 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और 600 से ज्यादा जिलों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। इस विश्लेषण में साल 2000 से 2020 के बीच शौचालयों की उपलब्धता और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत के बीच संबंध की जांच की गई। यह अध्ययन 'साइंटिफिक रिपोर्ट्स' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

अध्ययन में पता चला कि अगर किसी जिले में शौचालयों की उपलब्धता 10 फीसदी बढ़ाई जाती है, तो इससे नवजात शिशुओं की मौत की दर में 0.9 फीसदी और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत की दर में 1.1 फीसदी की कमी आती है। इसके अलावा, अगर किसी जिले में शौचालयों की उपलब्धता 30 फीसदी या उससे अधिक बढ़ाई जाती है, तो इसमें बच्चों की मौतों में उल्लेखनीय कमी देखी जाती है।

इन शोधकर्ताओं ने कहा कि शौचालयों की उपलब्धता और बच्चों की मौतों के बीच एक विपरीत संबंध हैं। जिसका मतलब है कि जब शौचालयों की संख्या बढ़ती है, तो बच्चों की मौतें कम होती हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वच्छ भारत मिशन के परिवर्तनकारी प्रभाव को दिखाता है।

शोधकर्ताओं ने यह भी बताया कि शौचालयों की उपलब्धता बढ़ाने के कई लाभ हैं, जैसे-महिलाओं की सुरक्षा, चिकित्सा खर्चों में कमी और जीवन की गुणवत्ता में सुधार। हालांकि, इसके बावजूद जाति और धर्म आधारित भेदभाव के कारण शौचालयों को अपनाने और उपयोग करने में असमानताएं बनी रहती हैं।

केंद्र सरकार ने स्वच्छ भारत मिशन 2 अक्तूबर 2014 को शुरू किया गया था। इसका मकसद देश की सड़कों, गलियों और बुनियादी ढांच को साफरखना है। इस अभियान का एक प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच की समस्या को समाप्त करना और सभी ग्रामीणों को शौचालय प्रदान करना है। शहरी और ग्रामीण भारत में जुलाई 2024 तक करीब 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग ने भी इस अभियान की प्रगति की सराहना की है और कहा है कि 2019 तक 6.3 लाख गावों में 50 करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए हैं।

निरुपम का तंज- कांग्रेस, एनसीपी एसपी उन्हें महाराष्ट्र से ही बाहर कर देंगी

सांगली में राहुल की सभा से उद्धव 'गायब'

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे के सांगली में राहुल गांधी की जनसभा में न पहुंचने पर राजनीति शुरू हो गई है। शिवसेना शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने कहा कि कांग्रेस और एनसीपी (शरद) ने मिलकर उद्धव ठाकरे को सांगली ने बाहर कर दिया। जल्द ही दोनों मिलकर उनको महाराष्ट्र से भी बाहर कर देंगे।

सांगली में लोकसभा चुनाव के दौरान जो भी कुछ हुआ, उसे पूरे देश ने देखा। शिवसेना के पास कोई उम्मीदवार नहीं था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस ने एक प्रमुख नेता ने अपनी तरफ से एक उम्मीदवार शिवसेना (यूबीटी) के पास भेजा। शिवसेना (यूबीटी) से कहा गया कि वह उम्मीदवार के आधार पर सीट के लिए लड़े, क्योंकि सीट कांग्रेस के पास न जाए।

संजय निरुपम ने कहा कि एनसीपी (शरद) और शिवसेना (यूबीटी) ने मिलकर ऐसा षड्यंत्र रचा कि सांगली कांग्रेस को नहीं मिली और कांग्रेस ने वहां अपना एक निर्दलीय उम्मीदवार खड़ा किया। वहां से शिवसेना हार गई। जमानत जब्त हो गई। सांगली के कार्यक्रम में कांग्रेस और एनसीपी (शरद) साथ में थीं, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) नहीं थीं। क्योंकि दोनों पार्टियां मिलकर शिवसेना (यूबीटी) को कमजोर

करना चाहती हैं। शिवसेना (यूबीटी) अभी सांगली से बाहर हुई है। भविष्य में कांग्रेस और एनसीपी (शरद) दोनों मिलकर शिवसेना (यूबीटी) को महाराष्ट्र से बाहर कर देंगे।

संजय निरुपम बोले कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर तीनों दलों में विवाद चल रहा है। इसे सबने देखा है। उद्धव ठाकरे कह रहे हैं कि नाम की घोषणा करिये। इसके बाद शरद पवार ने कहा है कि जब तक चुनाव नहीं होंगे, नतीजे नहीं आएंगे, तब तक सीएम उम्मीदवार घोषित नहीं किया जाएगा। इससे साफ है कि जिसकी ज्यादा संख्या, उसका सीएम बनेगा।

उन्होंने कहा कि अब संख्या आएगी या नहीं, यह तो भविष्य तय करेगा। मतभेद विकास अघाड़ी में जिस तरह से मतभेद चल रहे हैं यह सीट साझा करने के दौरान बढ़ेंगे। चुनाव के दौरान तीनों मिलकर एक दूसरे की सीटों पर सेंध लगाने और एक-दूसरे को गिराने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह साफ नजर आ रहा है।

राहुल गांधी की जनसभा में नहीं पहुंचे थे उद्धव

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे बृहस्पतिवार को सांगली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जनसभा में शामिल नहीं हुए। जनसभा में शिवसेना (यूबीटी) का कोई अन्य नेता मौजूद नहीं रहा। ठाकरे का जनसभा में शामिल नहीं होना इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) उम्मीदवार को कांग्रेस के बागी विशाल पाटिल ने सांगली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में हरा दिया था। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर कोई खींचतान नहीं है। सांगली में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के दिवंगत मंत्री पतंगराव कदम की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

गांधी दिवंगत नेता को समर्पित एक संग्रहालय भी गये। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, जयंत पाटिल मौजूद रहे। इससे पहले राहुल गांधी ने नांदेड़ में दिवंगत सांसद वसंत चव्हाण के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की।

आदिवासी समाज की प्राचीन परंपराओं की जीवंत मिसाल

ग्राम कायतपाली में पारंपरिक गरब चेरू पर्व का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। बसना क्षेत्र मे भी मूलनिवासी आदिवासी समाज का इतिहास प्रकृति से अटूट संबंध रहा है। यह समाज प्राचीन काल से ही प्रकृति की पूजा करता आ रहा है और हर मौसम के बदलाव के साथ अपने ढंग से पूजा-पाठ और उत्सव मनाने की परंपरा को जीवंत रखा है। इसी क्रम में ग्राम कायतपाली, विकास खंड बसना, ज़िला महासमुंद, में भी आदिवासी समाज ने अपनी प्राचीन परंपराओं के अनुसार गरब चेरू पर्व को धूमधाम से मनाया गया।

प्रकृति पूजा की महत्ता

वर्तमान समय में गाँव के खेतों में धान, दलहन, और तिलहन की फसलें लगी हुई हैं। फसलों के इस

गर्भ धारण के समय, धान की फसल की बेहतरी और फसलों को बीमारियों से सुरक्षित रखने की कामना के साथ ग्रामवासियों ने गरब चेरू पर्व को पारंपरिक ढंग से मनाया। यह पर्व न केवल फसल की उन्नति के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति आदिवासी समाज की गहरी आस्था और सम्मान को भी दर्शाता है।

मध्य रात्रि की पूजा

दिनांक 2 सितंबर 2024 की मध्यरात्रि को, कायतपाली गाँव के सीमा में फसल लगे खेतों के इलाक़े में ग्राम के सिदार बैगा, लगनीया, बुजुर्ग शियान, सरपंच, और अन्य गणमान्य नागरिकों ने मिलकर गरब मौली और रकत मौली देवता की पूजा की। इस पूजा के दौरान बली पूजा भी ग्राम्य जीवन में रचा बसा है। बरई (बकरी) और कारी पोई, खैरी पोई (मुर्गी) की बलि दी जाती है। अनेक जगह सात्विक पूजा भी होती है।

इस अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य था—अच्छी फसल की प्राप्ति और फसलों को बीमारियों से सुरक्षित रखना।

सुबह की प्रमुख पूजा विधियाँ

दिनांक 3 सितंबर 2024 को, ग्राम बैगा सिदार के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने गाँव के प्रमुख देव, ठाकुर दिया, में 18 पाठ किए और बरई माता में बलि अर्पण कर अच्छे फसल उत्पादन की कामना की। इसके उपरांत, गाँव के रक्षक देवता, जिन्हें खलिहा के नाम से जाना जाता है, की पूजा की गई। खलिहा के स्थान पर पारंपरिक ढंग से बलि देकर गाँव के लोगों की फसलों की सुरक्षा की कामना की गई।

ग्राम देवी-देवताओं का आह्वान

पूजा की अगली कड़ी में गाँव के झूलन मौली और सात बहनी माता के स्थान पर गाँव के बैगा के नेतृत्व में मुर्ग़ा की बलि देकर पूजा अर्चना की गई। इस अनुष्ठान में गाँव की सुरक्षा, समृद्धि, और सुख-शांति की मंगल कामना की गई।

गरब चेरू पर्व के माध्यम से ग्राम कायतपाली के लोगों ने अपने फसलों की अच्छी पैदावार, सुरक्षा, और समृद्धि की कामना की। यह पर्व न केवल आदिवासी समाज की प्रकृति के प्रति आस्था को दर्शाता है, बल्कि यह उनकी संस्कृति, परंपरा, और सामाजिक एकता की भी पुष्टि करता है। ऐसे समय में जब प्राचीन परंपराओं का लोप होता जा रहा है, कायतपाली के ग्रामवासी अपनी परंपराओं को सजीव रखते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल कायम कर रहे हैं।

परंपराओं की अमिट छाप

कायतपाली के गाँववासियों ने इस पर्व को पारंपरिक ढंग से मनाकर आदिवासी समाज की वर्षों पुरानी परंपरा को जीवित रखा है। आज के आधुनिक समय में, जब प्राचीन परंपराएँ और मान्यताएँ कहीं लुप्त होती जा रही हैं, कायतपाली के ग्रामवासी अपनी संस्कृति और परंपराओं को संजोए हुए एक अलग पहचान बनाए हुए हैं। यह पर्व न केवल आदिवासी समाज की धार्मिक आस्थाओं का प्रतीक है, बल्कि यह उनकी सांस्कृतिक धरोहर का भी जीवंत उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश ठेकेदार संघ के अध्यक्ष वीरेश शुक्ला की शिकायत मनगढ़ंत निकली : नवीन अग्रवाल

राजनांदगांव। जनता कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नवीन अग्रवाल ने पत्रकार वार्ता लेकर कहा कि मेरे ऊपर विगत तीन मार्च को कुछ समाचार पत्रों में प्रदेश ठेकेदार संघ के अध्यक्ष वीरेश शुक्ला ने ब्लैकमेलिंग के बेबुनियाद और मनगढ़ंत आरोप लगाए थे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा की गई जांच में वो सारे आरोप आधारहीन निकले। प्रदेश ठेकेदार संघ के अध्यक्ष वीरेश शुक्ला ने जांच में माना कि उनसे गलतफ्हमी हुई थी और वह कोई कार्रवाई नहीं चाहते। वीरेश शुक्ला से कहना चाहता हूं, बेकार की सनसनी फैलाने के लिए मेरे ऊपर आधारहीन आरोप लगाना गलत साबित हुआ, अब वो दो दिनों में वायक्तिगत और समाचार पत्रों के माध्यम से माफी मांगे। मैं अपने वकील के माध्यम से एक बार फिर मानहानि का नोटिस उनको भेजूंगा। मार्च माह में मेरे द्वारा भेजे नोटिस तक को रिसीव नहीं किया था, वो जब इतना डरते हैं, तो किसी पर मनगढ़ंत आरोप क्यों लगाते हैं। वीरेश शुक्ला से कहता हूं, वो वाकई में ठेकदारों सच्चे हितैषी है, तो निर्माण विभागो में जो प्रत्येक बिलों में 2 और 4 प्रतिशत के कमीशन धंधा अधिकारी करते उसके लिए आवाज उठाए एसओआर (दर अनुसूची) जो पीडब्ल्यूडी में 2015, आरईएस और पीएमजीएसवाय में 2018 जल संसाधन व पीएचई विभाग में 2021 का चल रहा है, यानी वर्ष 2015, 2018 और 2021 में जो डामर, सीमेंट, सरिया और निर्माण संबंधित अन्य मेटेरियलों की दरों के अनुसार टेंडर होते हैं और भुगतान होता है, उससे ठेकदारों का नुकसान होता है, पुराने एसओआर दर (अनुसूची) को वर्तमान वर्ष की लागू कराने की लड़ाई लड़े और मैं हमेशा जनहित की लड़ाई लड़ता था, लड़ता हूं, लड़ता रहूंगा।

निगम प्रशासन के साथ मिलकर नागरिक करेंगे अभियान की शुरूआत

रिसाली। स्वच्छता ही सेवा 2024 की शुरूआत निगम प्रशासन और नागरिक मिलकर करेंगे। मैत्रीगार्डन से कल्याणी मंदिर के बीच केनाल को पूर्ण रूप से साफ करने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में शहर सरकार और क्षेत्रीय विधायक भी शामिल होंगे।

आयुक्त मोनिका वर्मा ने अभियान को धरातल स्तर पर सफल करने के लिए निगम के अधिकारी और कर्मचारियों की बैठक ली। उन्होंने अलग-अलग दिन चलने वाले कार्यक्रम की जिम्मेदारी कर्मचारियों को दी है। स्वच्छता ही सेवा 2024 राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत रिसाली निगम केनाल सफाई और इसके आस पास बने जी.वी.पी. प्वाइंट को खत्म कर किया जाएगा। आयुक्त ने इस अभियान में नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चत करने के निर्देश दिए है। बैठक में उपअभियंता नितिश अमन साहू, जनस्वास्थ्य विभाग के अमित चंद्राकर, पी.आई.यू. आकाश मिश्रा, विजय कश्यप आदि उपस्थित थे।

अभियान की मॉनिटरिंग जिला स्तर पर- खास बात यह है कि अभियान पूरे देश में एक साथ शुरू होगा। अभियान के लिए दिए अलग-अलग बिन्दू की मॉनिटरिंग जिला स्तर के अधिकारी करेंगे। इस अभियान को सर्वेक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुपरवाइजर ब्लेक स्पॉट को सूचीबद्ध करेंगे- आयुक्त ने जनस्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजर को निर्देश दिए है कि वे ऐसे स्थान को भी चिन्हित करे जहां सफाई नहीं होती। जगह के कारण सफाई करने में दिक्कत होती है। आयुक्त ने ऐसे स्थान को सूचीबद्ध कर सफाई के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दी है।

पंचायत सचिव दयानिधि खडिया निलंबित

रायगढ़। जिला पंचायत रायगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव ने ग्राम पंचायत लारा के पंचायत सचिव दयानिधि खडिया को आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु मृत/पलायन हितग्राहियों का सत्यापन कार्य समयावधि में नहीं करने, समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहने, शासन की योजनान्तर्गत संचालित कार्यों में रूचि नहीं लेने, मुख्यालय से अनुपस्थित रहना, उच्चाधिकारियों के आदेशों का पालन नहीं करने एवं दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण प्रथम दृष्टियां दोषी पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

पूनम सिंह साहू शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्यपाल के हाथों सम्मानित

शंकर लहरेय सरायपाली (समय दर्शन)। व्याख्याता डॉ पूनम सिंह साहू (एच सी) शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा में नवाचार, समाज सेवा, योग क्षेत्र में प्रोत्साहन, पर्यावरण जागरूकता सहित अनेक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें राजभवन के दरबार हाल में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छग शासन की उपस्थिति में राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पूनमसिंह साहू पिता रेशमलाल साहू सरायपाली विधानसभा के ग्राम बम्हनीनडीह निवासी हैं। जिन्होंने शिक्षकीय जीवन की शुरुआत 2005 में घने जंगलों के बीच स्थित भद्रीपारा परसापाली से हुई। वहां उन्होंने जन सहयोग से निर्मित पेड़ पौधों की झोपड़ी नुमा संरचना में प्राचीन आश्रम शाला कई तर्ज पर अध्यापन कराते थे । सत्र 2007-08 में इनकी पदस्थापना शासकीय हाई स्कूल पेंड्रावन सलग्न पूर्व माध्यमिक विद्यालय पेंड्रावन में हुई। जहां उन्होंने बच्चों में विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु शिक्षा में नवाचार के साथ-साथ उनकी रुचियों को ध्यान में रखते हुए स्काउटिंग, खेलकूद, योग आदि गतिविधि में बच्चों को शामिल करने लगे। उनके मार्गदर्शन में कई बच्चे विज्ञान प्रदर्शनी में जिला एवं राज्य तक प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनके मार्गदर्शन में 100 से भी अधिक छात्र स्काउटिंग में राज्य पुरस्कार और राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं तथा योग एवं खेल में भी राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। बच्चों में शिक्षा के प्रति निरंतरता बनाए रखने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को भी सहयोग करते रहते हैं ।इसी क्रम में 2017 में इनकी पदस्थापना हायर सेकेंडरी स्कूल घरजरा में हुई । वहां भी अहाता, रंगमंच, साइकिल स्टैंड एवं सड़क से विद्यालय भवन तक जाने हेतु रास्ता दुर्गम था ।इन्होंने संस्था प्रमुख पवन कुमार दीवान के साथ लगातार जन नेताओं व ग्रामीणों से संपर्क कर, जन सहयोग आदि के माध्यम से अहाता ,रंगमंच, साइकिल स्टैंड, सीसी रोड आदि बनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।शाला त्यागी बच्चों को विद्यालय से जोड़े रखने हेतु एवं सर्वांगीण विकास हेतु उनकी रुचि अनुसार शिक्षा के साथ-साथ नवाचार करते हुए विज्ञान प्रदर्शनी, खेलकूद, योग, स्काउटिंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि में प्रतिभागिता कराते रहते हैं। विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने हेतु जन सहयोग व स्वयं से कापी, पुस्तक, जूता, खेल कीट ,लेक्चर स्टैंड आदि के रूप में आर्थिक सहयोग करते रहते रहे हैं । उन्हें कई कई बार सम्मानित किया जा चुका है।

हाल ही में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा उन्हें स्काउटिंग के सर्वोच्च प्रशिक्षण लीडर ट्रेनर से एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय हिंदी विद्यापीठ से विद्या वाचस्पति सारस्वत सम्मान से भी सम्मानित किया गया है।

ये बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं एवं कक्षा एक में ही छत्तीसगढ़ी भाषा के साथ-साथ हिंदी ,अंग्रेजी, संस्कृत ,उड़िया भाषा का ज्ञान प्राप्त कर लिए थे। हर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए टॉपर रहे हैं। बाल्यकाल से ही ये स्वच्छता व पर्यावरण प्रेमी थे। वर्तमान शिक्षकीय जीवन में उन्होंने कई स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण व समाजसेवा अभियान चलाते रहते हैं। पूनम सिंह साहू को राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होने पर उनके इष्ट मित्र एवं विभागीय के अधिकारियों ने बधाई प्रेषित की है।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का किया गया सम्मान

सरायपाली (समय दर्शन)। शाउमावि दुलारपाली में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर छात्रसंघ पदाधिकारीयों के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय में कार्यरत सहायक ग्रेड हाराधन चौधरी थे। आज उनका जन्मदिन भी था। इसलिए बच्चों ने उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया ।अध्यक्षता प्राचार्य प्रेमानन्द भोई ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में टेकलाल पटेल, कृष्ण कुमार नायक,दूबेलाल पोर्ते, शरद कुमार बाघ,रोहित कुमार साहू,रूपधर पटेल,सुशांत प्रधान,श्रीमती कविता पटेल, डी एल खटकर, राकेश प्रधान, सी एस विशाल, शंखलाल जगत, द्रुपत पटेल, लोकेन्द्र नायक, अंजू साहू एवं किरण चौहान उपस्थित थे ।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ने सरस्वती माता और डॉ. राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुस्कान साहू और टेशू साहू ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की ।आरती साहू और अप्पी साहू ने स्वागत गीत,परी वैष्णव ने गीत, यामिनी और कामिनी साहू ने नृत्य के माध्यम से शिक्षकों का गुणगान किया। शिक्षकों ने भी बारी-बारी से अपने गुरुजनों को याद किया और गुरु के मार्गदर्शन से अपने जीवन में आए परिवर्तन को साझा किया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों के लिए ध्यान व एकाग्रता से संबंधित अनेक मनोरंजक खेल कराया और विजेता शिक्षकों को पुरस्कृत किया। प्राचार्य ने अपने उदबोधन में इस बेहतरीन और स्वस्फूर्त आयोजन के लिए बच्चों का धन्यवाद ज्ञापित किया और शुभकामना संदेश के रूप में गुलजार की कविता अ,आ,इ,ई पढ़ लो बेटा,बड़ा होने में काम आएगा का सस्वर वाचन किया ।सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन छत्रसंघ प्रमुख खुशी साहू,सांस्कृतिक सचिव देशू साहू,अप्पी साहू और तरुण पटेल ने किया।

शाला प्रबंधन समिति, पालकों एवं बच्चों द्वारा शिक्षकों का सम्मान प्राथमिक शाला मुड़पहार (केजुवां)

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला मुड़पहार (केजुवां)में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया । सर्व प्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती और सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन की छाया चित्र का पूजा अर्चन एवं बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।कार्यक्रम में ग्राम प्रमुख गुलाब हीरा जी द्वारा जीवन में गुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। पूर्व उपाध्यक्ष विश्वनाथ हीरा जी द्वारा कहा गया की गुरु ही ब्रह्म,विष्णु,महेश के समान होते है एवं गुरु की जितना भी प्रशंसा की जाए कम है । प्रधान पाठक खिरोद जेरी जी द्वारा सभी को शुभकामनाएं देते हुए , एवम डा.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद करते हुए उनके विभिन्न विचारो को बताएं ।शिक्षक भूपेंद्र सिंह नेताम जी द्वारा गुरु की महता पर प्रकाश डाला गया।

शाला प्रबंधन समिति, पलकों,और बच्चो द्वारा शिक्षको को श्रीफ्ल एवं साल ,गिफ्ट उपहार देकर सम्मानित किया गया । शाला में निशुल्क शिक्षा प्रदान करने वाले गांव के बालिकाओं कु रोशनी हीरा कु सकीना हीरा,जागृति राजपूत, को शाला की ओर से सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में कीर्तन साहू, मान सिंह,लखन हीरा , लगनसाय ,पूर्व अध्यक्ष रमेश भोई, शिक्षाविद महेंद्र बहादुर सिंह, सार्तिक राम,उपसरपंच मधु नेताम , अध्यक्ष(वि.प्र.स.)- शकुंतला हीरा उपाध्यक्ष - जयंती भोई , सत्यभामा गिरी ,नीलम भोई,यशोदा नेताम , सविता भोई ,जानकी यादव ,कमलेश , आशीष, पालकगण गांव के एमडी युवा समिति के सदस्यगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन गुलाब किशोर हीरा जी द्वारा किया गया।

जनता कांग्रेस जोगी जिलाध्यक्ष समसुल आलम ने सीएसपी से मिलकर जिला शिक्षा अधिकारी पर एफआईआर की मांग लेकर ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के एसपी ऑफ्सि में जनता कांग्रेस जोगी के जिलाध्यक्ष शमशुल आलम बड़ी संख्या में अपने कार्यकर्ताओं के साथ सीएसपी पुष्पेंद्र नायक को ज्ञापन सौंपकर डीईओ पर एफ्आईआर की मांग की है। आपको बता दे कि डोंगरगांव विधानसभा के ग्राम आलीवारा स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला के बच्चे सोमवार को लगने वाले साप्ताहिक जनदर्शन में शिक्षक की मांग पर कलेक्टर से चर्चा की। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने डीईओ अभय जायसवाल से मिलने कहा। डीईओ ने बच्चों को जमकर डांटा और स्कूल के बच्चों से कड़े शब्दों में कहा कि हड़ताल करने के लिए किसने आपको सिखाया है, इसके अलावा बच्चों को जेल जाने की धमकी भी थी, उसके बाद से बच्चियों रोते हुए बाहर निकली। जिला शिक्षा अधिकारी के रूष्ट व्यवहार के बाद स्कूल के बच्चे बाहर निकाल कर रोने लगे। बच्चों ने अपने साथ हुई आप बीती को ऑन कमरे में बताया। इधर जनता कांग्रेस जोगी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि बच्चे देश का भविष्य है उनसे इस तरह से बात करना न्याय संगत नहीं है। ऐसे जिला शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई होना ही चाहिए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शमसुल आलम, जिला महासचिव मिलाप बघेल, जिला सचिव नमन पटेल, युवा शहर जिलाध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, आकाश साहू, चुरेंद्र देवांगन, खेमचंद साहू, ऋषभ रामटेके, शुभम भालाधारे, चंद्र शेखर साहू, हिमांचन साहू, यश रामटेके, लक्की मेश्राम, हरीश नेताम, पलाश मेश्राम, लक्की बंसोड, अतुल, महेश मेश्राम, गुलाम, भूपेश साहू, करण टाकरी, अरबाज खान, सोनू, राजकुमार मेश्राम, किशन पटेल, आकाश पटेल, मनोज पटेल, खेमलाल पटेल, आदि निषाद, ज्योतिष सहित आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्यपाल शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुई सुनीता यादव

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की नवाचारी शिक्षिका हैं सुनीता यादव

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। शिक्षक दिवस के अवसर पर राजभवन रायपुर में जिले के शिक्षक पूनम सिंह साहू और सुनीता यादव को राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्यपाल शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया। सुनीता यादव की नियुक्ति वर्ष 2008 में शिक्षक पद पर शासकीय प्राथमिक शाला खिचरी विकासखंड बरमकेला में हुआ, तब से लगातार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए वे कार्य कर रही है। राज्य में वे एक नवाचारी शिक्षिका के रूप में जानी जाती है। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत समझ के साथ पढ़ना सिखाने हेतु शिक्षा विभाग में सुग्घर पढवैईया योजना में शत - प्रतिशत ने अपनी दक्षता दिखाकर प्लेटीनम स्थान प्राप्त किया। भारत में अंग्रेजी की सबसे बड़ी प्रतियोगिता वर्ड पावर चैंपियनशिप 2023 में इनकी छात्रा नंदिनी चौहान विजेता बनकर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई। 2024 में रेणु पटेल ने छत्तीसगढ़ में उपविजेता बनकर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई। धीरे धीरे यह वर्ड पावर चैंपियनशिप का गढ़ बनते जा रहा है। शिक्षिका सुनीता यादव स्वंय के व्यय से बच्चों के लिए रैंप निर्माण, स्थानीय भाषा में लोक साहित्य पर आधारित कहानी लिख कर बच्चों का समझ विकसित कर रही है।

बच्चों को हाट -बाजार में ले जाकर अनुभव आधारित शिक्षा पर कार्य करती है। सामुदायिक भागीदारी से बच्चों के लिए स्वेटर, जूते मोजे, बैग पानी बोतल,स्टैशनरी,पी टी ड्रेस, गणवेश आदि की व्यवस्था करती है। प्रतियोगिता के लिए कार्य, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु निशुल्क घर में बच्चों को पढ़ाती है। शिक्षिका सुनीता यादव को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण शिक्षादूत सम्मान भी प्राप्त हो चूका है,अब तक इन्हें 100 पुरूस्कार प्राप्त हो चुका है। शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर ये दो बार हमारे नायक बन चुकी है। कोरोना काल में पूरे गांव के दीवारों पर इन्होंने प्रिंट रिच वातावरण निर्मित किया था। स्वंय के व्यय से आनलाइन क्लास के लिए लैप टाप की व्यवस्था की। बच्चों को शिक्षा मे जोड़ के रखने के लिए स्वयं के व्यय से तीन वालिंटियर भी रखे। शिक्षिका सुनीता यादव ने घर घर पठन अभियान,एफ एल एन हीरो, सामाजिक शैक्षिक अंकेक्षण,आइ एम स्पीड रीडर की शुरुआत की है। डिजिटल कौशल विकास हेतु बच्चे रिपोर्टिंग, ब्लॉगिंग,रील आदि सीख रहे हैं।

कलेक्टर धर्मेश साहू, जिला शिक्षा अधिकारी एल पी पटेल, विकास खंड विकास अधिकारी नरेंद्र जांगड़े, पूर्व बी आर सी सी प्रेम नायक, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती डेजी रानी जांगड़े,व एस एन भगत व डा वर्षा बंसल ने बधाई दी हैं। शासकीय प्राथमिक शाला खिचरी की समर्पित प्रधान पाठक सरिता सिदार व सक्रिय शिक्षिका कुसुम साहू ने ढेरों बधाइयां दीं हैं। सुनीता यादव इस सफलता का श्रेय बलदाऊ सिंह श्याम, राज्यपाल पुरस्कार सम्मानित डी मालाकार, व्याख्याता, साथी शिक्षक सरिता सिदार, कुसुम साहू व अपने पति नंदकुमार यादव व बेटी सृजना नंदकुमार यादव को देती है। उन्होंने कहा कि खिचरी ग्राम को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सरपंच व मनोहर पटेल का विशेष सहयोग रहा।

सुनीता यादव की पारिवारिक पृष्ठभूमि

सुनीता यादव का जन्म 1अगस्त 1975 को महासमुंद जिले के उत्कृष्ट शिक्षक शपठान नाग यादव और रामदेवी नाग यादव के घर हुआ। सुनीता प्रारंभ से ही मेधावी थी। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य में एमए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से व बीएड पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्व विद्यालय बिलासपुर से उत्तीर्ण की। शिक्षिका सुनीता यादव श्री नंदकुमार यादव की पत्नी हैं। इनकी इकलौती संतान सृजना नंदकुमार यादव जर्नलिज्म एंड मास मीडिया कम्युनिकेशन की छात्रा हैं।

इनके राज्य शिक्षक सम्मान पुरस्कार से पूरे जिले में हर्ष व्याप्त है।शिक्षिका सुनीता यादव ने बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड में शासकीय प्राथमिक शाला तिलकडीह में 1 माह तक समर क्लास लगाया, इसके लिए विकास खंड शिक्षा अधिकारी कोटा,जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त संचालक बिलासपुर ने इन्हें सम्मानित भी किया है।

सार समाचार

खरोरा पुलिस ने शराब कोचिया के घर मारी रेड

रायपुर(समय दर्शन)। खरोरा पुलिस ने शराब कोचिया के घर रेड मारी। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि खरोरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम केशला स्थित एक मकान में एक व्यक्ति अपने पास अवैध रूप से शराब रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताये मकान में जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान मकान में एक व्यक्ति उपस्थित था जिसने पूछताछ में अपना नाम लोकनाथ देवांगन होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा मकान की तलाशी लेने पर मकान के कमरे में थैलों में देशी शराब रखा होना पाया गया। लोकनाथ देवांगन से शराब रखने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी लोकनाथ देवांगन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें 237 पौवा देशी शराब कीमती लगभग 43,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 588/24 धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

तेज आवाज डीजे पर जिला प्रशासन सख्त दिए कड़े निर्देश

रायपुर(समय दर्शन)। गणेश उत्सव के मद्देनजर तेज आवाज पर डीजे बजाने पर जिला प्रशासन सख्ती के साथ कार्रवाई करेगा। साथ ही दूसरी बार नियम विरूद्ध तरीके से डीजे बजाने पर पकड़े जाने पर डीजे सामाग्री को राजसात की जाएगी। इस संबंध में आज अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल एवं शहर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री लखन पटले ने डीजे संचालकों की बैठक ली और सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय क्षेत्रों में 55 डेसिबल से अधिक साउंड में डीजे बजाने पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गाड़ी का स्वरूप बदलकर डीजे नहीं लगाए और बड़ी गाड़ी में डीजे लगाने पर कार्रवाई की जाएगी। अगर वहीं दूसरी बार डीजे संचालक पकड़े गए तो सामाग्री के राजसात करने की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की टीम डीजे के साउंड मीटर की जांच करेगी। श्री पटले ने कहा कि आवासीय क्षेत्रों में कोई भी लोगों को डीजे की वजह से परेशान न हो। कानून का पालन करते हुए कर्तव्यों का पालन करें। नियम का पालन नहीं करने पर कोलाहल अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौलत राम पोर्ते भी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में 6 महीने में दूसरी बार बढ़े शराब के दाम

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में शराब के शौकीनों के लिए बुरी खबर है। 6 महीने में दूसरी बार सरकार ने शराब के दामों में वृद्धि की है। जहां अलग-अलग ब्रांड के क्वार्टर(पौवा) की कीमत 40 रुपए तक बढ़ा दी गई है। जम्मू डीलक्स विस्की के क्वॉर्टर में 40 रुपए का इजाफा किया गया है तो वहीं सिंबा एडिशन बीयर का रेट 30 रुपए बढ़ गया है। ये बढ़ी हुई दरें 1 सितंबर से लागू कर दी गई हैं। नए रेट लिस्ट को देखने के बाद आम आदमी में निराशा है। इससे पहले अप्रैल में शराब के दाम बढ़ाए गए थे। मदिरा प्रेमी के मुताबिक शराब के बोतलों में दाम बढ़ाकर सरकार उन्हें परेशान कर रही है। अब पीने की लत लग चुकी है तो कुछ भी करके पीएंगे।

अधिवक्ताओं के लिए नवीन सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की

मुख्यमंत्री बिलासपुर जिला अधिवक्ता संघ के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज बिलासपुर जिला अधिवक्ता संघ के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने संघ की मांग पर जिला न्यायालय परिसर में नये सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री दाऊराम चंद्रवंशी ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव मौजूद थे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में महाधिवक्ता श्री प्रफुल्ल एन भारत, विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री धरमलाल कौशिक, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव, श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्री रामशरण यादव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती नीता यादव, संरक्षक अधिवक्ता संघ श्री एसके सिन्हा एवं प्रतिनिधि भारतीय विधिज्ञ परिषद श्री शैलेन्द्र दुबे उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिला अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि बिलासपुर का जिला अधिवक्ता संघ प्रदेश के अधिवक्तओं का सबसे पुराना संगठन है। फिलहाल साढ़े 3 हजार विद्वान अधिवक्ता इस संघ से जुड़े है। उन्होंने कहा कि इस संस्था का ऐतिहासिक महत्व रहा है। इनके सदस्यों ने आजादी की लड़ाई में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। यही नहीं बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और न्यायविद इस संगठन ने पैदा किये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिवक्ताओं के समक्ष कई समस्याएं मौजूद हैं। लेकिन उन्होंने इनकी परवाह किये बिना लोगों को न्याय दिलाने में महती भूमिका अदा कर रहे हैं। गरीबी-अमीरी का भेदभाव किये बिना सभी को समभाव से न्याय दिलाने में जिला अधिवक्ता संघ ने मिसाल पेश की है।

पुलिस ने यार्ड में मारी रेड, ट्रक का अवैध रूप से कटिंग कर पार्ट्स बेचने वाला गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। यार्ड में ट्रक का अवैध रूप से कटिंग कर उसके पार्ट्स का बिक्री करने वाला आरोपी गाजी खां गिरफ्तार हुआ है। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई थाना उरला क्षेत्रांतर्गत सरोरा स्थित गाजीखां के यार्ड में अवैध रूप से ट्रक की कटिंग कर ट्रक के पार्ट्सकी बिक्री की जा रही है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना उरला की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये यार्ड में रेड कार्यवाही की गई। रेड कार्यवाही के दौरान यार्ड में एक व्यक्ति उपस्थित पाया गया जिसने पूछताछ में अपना नाम गाजी खां होना बताया गया। टीम के सदस्यों द्वारा यार्ड की तलाशी लेने पर एक 12 चक्का ट्रक क्रमांक यू पी/51/ए टी/2937 का इंजन एवं चेचिस आधा कटा हुआ तथा ट्रक का केबिन डाला, ट्रक का नम्बर प्लेट, इंजन, 08 नग टायर क्राउन, डीजल टंकी, कमानी एवं 01 नग केबिन रखा हुआ पाया गया। टीम के सदस्यों द्वारा ट्रक के पार्ट्स के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने कहने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को गुमराह करने का प्रयास किये जाने लगा। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी गाजी खां को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से ट्रक के कटे हुए पार्ट्स इंजन एवं चेचिस आधा कटा हुआ तथा ट्रक का केबिन डाला, ट्रक का नम्बर प्लेट, इंजन, 08 नग टायर क्राउन, डीजल टंकी, कमानी एवं 01 नग केबिन जुमला कीमती लगभग 1,80,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना उरला में धारा 35(1)ई बी.एन.एस.एस./303(2) बी.एन.एस. का कार्यवाही किया गया। उक्त प्रकरण में वाहन स्वामी एवं फायनेंस कम्पनी से विधिवत दस्तावेज की जांच की जा रही है। आरोपी गांजीखां पूर्व में भी ट्रक चोरी एवं ट्रक कटिंग के प्रकरण में जिला कोरबा में जेल निरूद्ध रह चुका है। गिरफ्तार आरोपी - गाजी खां पिता शब्बीर खां उम्र 44 साल निवासी नयापारा डबरी स्कूल के पास थाना गोलबाजार रायपुर।

कोरोना पर बड़ी रिसर्च : अंबेडकर अस्पताल की रिसर्च यूनिट ने बायोमार्कर किट बनाया, पहले स्टेज में ही ट्रेक होगी बीमारी

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के डॉ. भीमराव अम्बेडकर हॉस्पिटल ने मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू/ बहु विषयक अनुसंधान इकाई) के वैज्ञानिकों की टीम ने ऐसा बायोमार्कर किट विकसित किया है। यह किट कोविड-19 महामारी संक्रमण की गंभीरता का अनुमान प्रारंभिक चरण में ही लगा लेगा। कोविड-19 के प्रारंभिक चरण से प्रारंभ किये गये इस शोध के परिणाम हाल ही में विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुई है। जो कि, प्रतिष्ठित नेचर प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित किया गया है। रिसर्च के क्षेत्र में यह दुनिया का 5वां सबसे अधिक संदर्भित किया जाने वाला रिसर्च जर्नल है। कोरोना महामारी की शुरुआत में जब देश के कई प्रमुख वैज्ञानिक नए कोविड-19 डायग्नोस्टिक टेस्ट किट विकसित करने में जुटे हुए थे। तब रिसर्च पब्लिकेशन के करेस्पोंडिंग लेखक(प्रिसिंपल इन्वेस्टिगेटर) डॉ. जगन्नाथ पाल (एमबीबीएस, पीएचडी, हार्वर्ड कैंसर संस्थान (बोस्टन यूएसए) से पोस्टडॉक. की उपाधि प्राप्त) वरिष्ठ वैज्ञानिक, एमआरयू, ने कोविड-19 महामारी के प्रबंधन के उपरोक्त बुनियादी मुद्दे की दिशा में विचार करना शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य था कि, भविष्य में किसी भी महामारी की स्थिति से निपटने के लिए भी उपयोग में लाया जा सके।

राजधानी रायपुर के बोरियाखुर्द स्थित आरडीए कॉलोनी में इस समय पीलिया का कहर जारी

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के बोरियाखुर्द स्थित आरडीए कॉलोनी में इस समय पीलिया का कहर जारी है। इस बीच कॉलोनी के बी-ब्लॉक में पानी से कीटाणु निकल रहे हैं। कॉलोनी के एक घर में कीड़ा निकला है. जिससे कॉलोनी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. इसके साथ ही पानी के साथ कीड़ों का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है, जबकि कॉलोनी में इस समय 10 से ज्यादा लोग पीलिया से पीड़ित हैं. 200 से ज्यादा लोगों के प्रभावित होने की आशंका है. कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि कीड़े निकलने का यह पहला मामला नहीं है. आए दिन कुछ घरों में कीड़े-मकौड़े पाए जाते हैं, जबकि बरसात का मौसम है और पीलिया का प्रकोप है, गंदा पानी भी आ रहा है। कॉलोनी के निवासियों का कहना है कि 15 साल पुरानी कॉलोनी में पीने के पानी के लिए बिछाई गई पाइप लाइन नालियों से होकर गुजरी है. इस समय सभी नालियां जाम हैं। यहां नालों में बहने वाले पानी का निस्तारण नहीं किया जाता है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालियों में जाकर कॉलोनी परिसर में भर जाता है। जिससे जर्जर पाइपों में गंदा पानी भर गया है। इस कारण कई वर्षों से नालियों की सफाई न होने पर कीड़े-मकौड़े दिखना आम बात हो गई है। प्रशासन पाइप लाइन बदलने पर विचार नहीं कर रहा है। कॉलोनी में अधिकांश चैंबर बिना ढक्कन के हैं। यहां के निवासी गंदगी से परेशान हैं। आरडीए कॉलोनी की कविता सोनी ने बताया कि कॉलोनी में पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइन सड़ गई है। जिससे कीड़े निकल रहे हैं। पाइप लाइन को तत्काल बदला जाए।

बदबू और गंदगी से परेशान हैं

आरडीए कॉलोनी की पुष्पा साहू ने कहा कि पीला बुखार चल रहा है। कॉलोनी में हर तरफ गंदगी है। लोग बदबू से परेशान हैं। प्रशासन सिर्फ व्यवस्था सुधारने का वादा कर रहा है. समस्याओं का समाधान नहीं होता.

कार्यालय सेनानी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई

क्रमांक- प्रथम बटा / छसबल / भि/साअ /383- ए /2024, दिनांक- 30/08/2024

निविदा विज्ञप्ति

छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रूमेंट) के लिए पोशाक क्रय बाबत मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रूमेंट) के लिए पोशाक क्रय हेतु सीलबन्द लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम / पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रूमेंट) के लिए पोशाक क्रय	6.55.000/-	19650/-

निविदा प्रापत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट 800 के अर्न्तगत सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है ।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 09.09.2024 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 20.09.2024 को समय 15.00 बजे तक
4	टेक्निकल बिड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई, (छ.ग.) दिनांक 20.09.2024 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैद्यता	31.03.2025 तक

नोट :- 01. किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी । 02. डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

सेनानी,
प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई

G-242502219/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग दुर्ग
// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्रमांक. 4989/नि.प्र.क्र. 05/लो.नि.वि./2024-25 दुर्ग, दिनांक 30/08/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 10/09/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 19/09/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 20/09/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0062	Providing Maintenance work of Air Conditioner, Refrigerator, R.O. and Water Cooler in Rest House and Circuit House at Durg	4.99 Lacs
(2) T0063	Providing Maintenance work of Cooler, Fan, Rewinding and Pump Repair work in Rest House / Circuit House and Administration Building at Durg	4.98 Lacs
(3) T0064	Providing Maintenance work of Air Conditioner, Refrigerator, R.O. and Water Cooler in Rest House Durg, Dhamdha, Nagpura Litiya and Gatapar, District Durg	4.95 Lacs
(4) T0065	Providing Ordinary Maintenance work under Ahiwara, District Durg	5.00 Lacs
(5) T0066	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Sub Division, Bodla District Kabirdham	4.93 Lacs
(6) T0067	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Sub Division, Pandariya District Kabirdham	4.94 Lacs
(7) T0068	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Rajnandgaon District Rajnandgaon	5.00 Lacs
(8) T0069	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Dongargaon District Rajnandgaon	4.85 Lacs
(9) T0070	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Chhuriya District Rajnandgaon	4.80 Lacs
(10) T0071	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Saja, District Bemetara	4.76 Lacs
(11) T0072	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Nawagarh, District Bemetara	4.87 Lacs
(12) T0073	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Dondi, District Balod	4.99 Lacs
(13) T0074	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Gurur, District Balod	4.95 Lacs
(14) T0075	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Khairagarh	4.96 Lacs
(15) T0076	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Manpur	4.98 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

टीपः- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि.) यां) संभाग दुर्ग

जी- 242502167/2

संपादकीय

भाजपा के अंदर असंतोष उबाल

मोदी-शाह की जोड़ी बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। इसको लेकर पहले भी भाजपा के अंदर असंतोष उबलता होगा। मगर मोदी-शाह को किसी ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह के दौर में यह भारतीय जनता पार्टी के लिए नया अनुभव है। पहले कई नीतिगत मामलों में केंद्र को अपने निर्णय एवं इरादे से पीछे हटना पड़ा और अब ऐसा पार्टी के अंदर होना शुरू हो गया है। इस पूरे संदर्भ को ध्यान में रखें, तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों की जारी पहली लिस्ट का वापस लिया जाना महत्त्वपूर्ण घटना बन जाता है। यहां प्रत्याशी सूची में कोई इक्का-दुक्का परिवर्तन नहीं हुआ। ना ही ऐसा नेतृत्व ने अपने आकलन के आधार पर ये कदम उठाया। 44 सदस्यों की जारी लिस्ट को कुछ देर में ही इसलिए वापस लेना पड़ा, क्योंकि जम्मू इलाके के भाजपा नेताओं/ कार्यकर्ताओं में उसको लेकर गुस्सा फूट पड़ा। प्रमुख शिकायत यह थी कि पार्टी में जीवन खपा देने वाले नेताओं की उपेक्षा करते हुए कुछ समय पहले ही दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाया गया है। लेकिन मोदी-शाह के युग में इस तरह टिकट देना कोई नई बात नहीं है। चुनाव जीतने की क्षमता को प्रमुख प्राथमिकता बना कर यह जोड़ी विभिन्न राज्यों में बाहरी नेताओं से भाजपा को भरती चली गई है। स्पष्टत: इसको लेकर भाजपा के अंदर असंतोष उबाल लेता होगा। मगर मोदी-शाह को पार्टी के किसी खेमे ने कदम वापस पर लेने पर मजबूर किया हो, इसकी मिसाल कम ही होगी। इस दौर की आम समझ यह रही है कि गुजरात से उभरते हुए इन दोनों नेताओं ने पहले भाजपा, और फिर देश की राज्य-व्यवस्था पर अपना वर्चस्व बना लिया। संभवत: इसमें वे इसलिए कामयाब रहे, क्योंकि उनकी पीठ पर अति प्रभावशाली हितों ने दांव लगा रखा है। लेकिन 2024 के आम चुनाव में लगे झटकों के बाद समीकरण बदलने के संकेत हैं। जिस तरह पार्टी ने सांसद कंगना राणावत के किसान विरोधी बयानों से किनारा किया है, वह भी एक नई प्रवृत्ति का संकेत है। यह सारा घटनाक्रम भारत के राजनीतिक परिदृश्य में युग परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू होने का संकेत देता है। इससे फिर पुष्टि हो रही है कि लोकतंत्र में जो वोट खींचने में जितना सक्षम हो, उसी अनुपात में उसका सिक्का चलता है।

अरिघाट क्यों है भारत के लिए ब्रह्मास्त्र, जानिए वजह

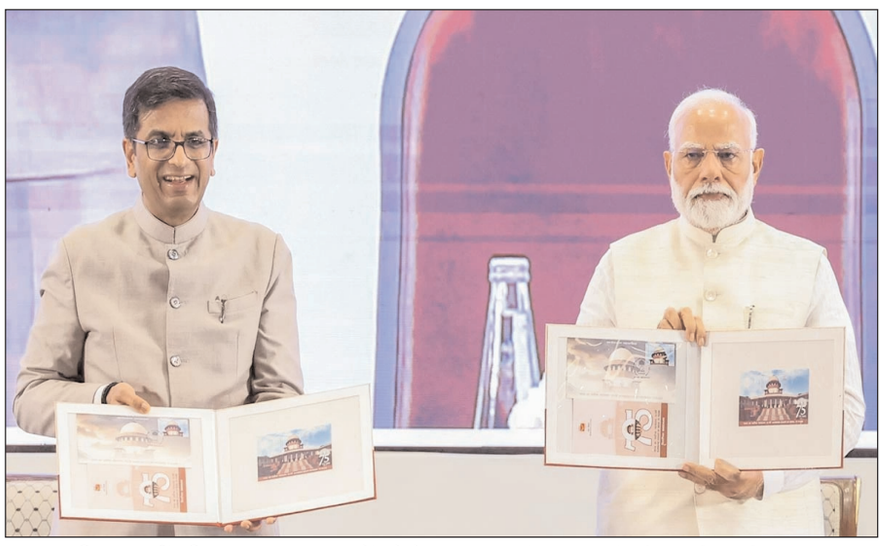

रंजीत कुमार

परमाणु मिसाइलों से लैस दूसरी स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी अरिघाट के भारतीय नौसेना में पिछले हफ्ते शामिल हो जाने के बाद भारत को वह ब्रह्मास्त्र मिल गया है, जिसे शायद ही कभी चलाने की जरूरत पड़े। समुद्र की तलहटी में महीनों चुपचाप विचरण करने की क्षमता वाली परमाणु पनडुब्बी के रूप में इसकी मौजूदगी यह सुनिश्चित करेगी कि भारत पर कोई भी देश परमाणु हमला न कर पाए।

बढ़ेगा दबदबा- परमाणु पनडुब्बियों के विकास में मिली इस असाधारण कामयाबी से विश्व सामरिक जगत में भारत का दबदबा बढ़ेगा। आठ साल पहले 2016 में भारतीय नौसेना में परमाणु बिजली से चालित पहली पनडुब्बी INS अरिहंत को शामिल किया गया था। ढ्रुह्स अरिघाट, अरिहंत से अधिक क्षमतावान है। इसमें साढ़े तीन हजार किलोमीटर तक मार करने वाली चार परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलें (K-4) लोड की जा सकती हैं।

परमाणु हमले का जवाब- युद्ध की स्थिति में यह पनडुब्बी दुश्मन के समुद्र तट के काफी करीब छुपकर बैठ सकती है और दुश्मन के अहम ठिकानों पर वार कर सकती है। ऐसा हमला करने का निर्देश अरिघाट के कमांडर को तब मिलेगा, जब भारत पर परमाणु हमला हुआ हो और भारतीय सेनाएं अपनी जमीन आधारित अग्नि बैलिस्टिक मिसाइल या फिर राफेल या सुखोई-30 विमानों से दुश्मन पर परमाणु बम गिराने की स्थिति में न हों।

न्यूक्लियर ट्रायड- परमाणु पनडुब्बी हासिल कर भारत ने परमाणु त्रिकोण यानी न्यूक्लियर ट्रायड की क्षमता को और मजबूत किया है। इसकी मौजूदगी मात्र से दुश्मन देश भारत पर परमाणु हमला तो क्या पूर्ण स्तर का पारंपरिक युद्ध छेड़ने से भी हिचकेंगे। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि परमाणु पनडुब्बियां अपनी ताकत की बदौलत शांति बनाए रखने के काम आएंगी।

जवाबी हमले की स्वतंत्रता- भारत ने दुश्मन में खौफ पैदा करने के लिए वैसे तो अग्नि बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात की हैं और वायुसेना के लड़ाकू विमानों को भी परमाणु बम गिराने के लिए तैयार रखा है, लेकिन समुद्र आधारित परमाणु मिसाइलों की जरूरत इसलिए थी कि देश सेकंड स्ट्राइक यानी जवाबी हमला करने की स्थिति में हमेशा बना रहे। मई, 1998 में दूसरी बार परमाणु परीक्षण करने के बाद भारत ने दुनिया को आश्वस्त किया था कि वह किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा। लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया गया था कि यदि किसी ने उस पर परमाणु हमला किया तो वह दुश्मन पर महाविनाशकारी हमला करने को स्वतंत्र होगा।

चुनिंदा देशों का क्लब- अरिघाट हासिल करने के बाद भारत उन चुनिंदा देशों- अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन- के क्लब में शामिल हो गया है, जो परमाणु त्रिकोण की ताकत रखते हैं। शायद यह भी एक वजह है कि पूर्वी लद्दाख की सीमाओं पर 50 हजार से अधिक सैनिकों की पिछले चार वर्षों से तैनाती जारी रहने के बावजूद चीन के साथ खुला युद्ध शुरू नहीं हुआ है क्योंकि इसकी अंतिम परिणति परमाणु मिसाइलों के इस्तेमाल के रूप में हो सकती है।

छोटा पर कारगर- अमेरिका की करीब 70 और चीन की करीब एक दर्जन परमाणु पनडुब्बी क्षमता के मद्देनजर भारत ने भी परमाणु पनडुब्बियों के संचालन की न्यूनतम क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत भारतीय नौसेना को करीब छह महीने बाद तीसरी परमाणु पनडुब्बी अरिदमन मिलेगी। चौथी परमाणु पनडुब्बी का निर्माण भी चल रहा है। तुलनात्मक रूप में भारत का परमाणु पनडुब्बी बेड़ा काफी छोटा होगा, लेकिन दुश्मनों से निपटने के लिए फिलहाल इसे काफी माना जा रहा है।

सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे

ललित गर्ग

यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।'

सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है।

निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके इसके लिये हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार की उम्मीद जगी है। नये तीन कानूनों के बाद मुकदमों की सुनवाई द्रुत गति से होगी, लेकिन देखना यह है कि ऐसा हो पाता है या नहीं? प्रश्न यह भी है कि आखिर करोड़ों लंबित मामलों का क्या होगा? ये वे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर देश की जनता को चाहिए। न्याय सिर्फहोना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

युक्तियुक्तकरण याने स्कूल बंदी, छंटनी और शिक्षा का भगवाकरण : लड़ाई संविधान को बचाने की

संजय पराते

छत्तीसगढ़ में स्कूली शिक्षा की बदहाली का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रदेश में 3000 से ज्यादा स्कूलों में प्राचार्य नहीं है और शिक्षकों के 8194 पद, सहायक शिक्षकों के 22000 से अधिक और व्याख्याताओं के 2524 पद रिक्त हैं। सरकार द्वारा संचालित 56333 स्कूलों में से 300 से अधिक स्कूल शिक्षकविहीन है, जबकि 5500 स्कूलों में एक ही शिक्षक है और 3978 प्राइमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकंडरी स्कूल एक ही परिसर में संचालित हो रहे हैं।

संविधान सरकार को निर्देशित करता है कि स्कूली उम्र के हर बच्चे के लिए उसके रहवास वाले इलाके में शिक्षा का प्रबंध करो। यदि इस निर्देश का पालन करना है, तो नए स्कूल भवनों का निर्माण करना और शिक्षकों के खाली पदों को भरना किसी भी सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। लेकिन ऐसी प्राथमिकता भाजपा सरकार के एजेंडे में कैसे हो सकती है? यहां तो जो 10-15 हजार शिक्षक हर साल सेवा निवृत्त हो रहे हैं, इन पदों को पूरी खामोशी से खत्म किया जा रहा है।

नए स्कूल भवन बनाने, पुरानों का जीर्णोद्धार करने और शिक्षकों की भर्ती करने के बजाय भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण के नाम पर स्कूलों को बंद करने और शिक्षकों का तबादला करने का अभियान चलाया जा रहा है। युक्तियुक्तकरण भाजपा का प्रिय काम है, जो स्कूली शिक्षा की वास्तविक चुनौतियों से आंख मूंदना चाहती है। भाजपा सरकार की इस मुहिम का प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों और मध्यान्ह भोजन मजदूर एकता यूनियन (सीटू) ने कड़ा विरोध किया है।

पिछली भाजपा राज में भी युक्तियुक्तकरण के नाम पर 2000 से भी ज्यादा स्कूल बंद कर दिए गए थे। लगभग सभी ग्रामीण क्षेत्रों में थे और इसका शिकार वे हजारों ग्रामीण बच्चे हुए, जो दूसरे स्कूलों की गांव से ज्यादा दूरी होने के कारण और छात्राएं लैंगिक भेदभाव के कारण, शिक्षा क्षेत्र से बाहर हो गए। अब भाजपा के नए सायं-सायं राज में और 4077 स्कूल बंद किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन स्कूलों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या 10 से कम है। इस प्रकार 35000 से ज्यादा बच्चे स्कूली शिक्षा से बाहर किए जा रहे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि लगभग सभी बच्चे ग्रामीण क्षेत्र के, आदिवासी इलाकों के और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे ही होंगे। इसके साथ ही, एक तबादला उद्योग खोलकर बड़े पैमाने पर शिक्षकों को इधर से उधर किया जाएगा।

लेकिन ऐसे युक्तियुक्तकरण की मार केवल बच्चों और शिक्षकों पर ही नहीं पड़ेगी, इन स्कूलों में काम करने वाले सफाई कर्मियों और मध्यान्ह भोजन बनाने वाले मजदूर भी इसका शिकार होंगे, जो आज तक न्यूनतम मजदूरी से वंचित हैं, इसके बावजूद ये काम उनकी आजीविका का सहारा बने हुए हैं। इन स्कूलों के बंद होने से 12000 से ज्यादा मध्यान्ह भोजन और अंशकालीन सफाई मजदूर बेरोजगार हो जाएंगे, जिनके पास स्थाई/नियमित रोजगार का और कोई साधन नहीं है। ये मजदूर अब ग्रामीण बेरोजगारों की फौज बढ़ाएंगे, या फिर किसी और काम की तलाश में शहरों की ओर पलायन करेंगे और शहरी दिहाड़ी मजदूर बनने के लिए मजबूर होंगे। भाजपा ने 2023 के चुनावी घोषणापत्र में वादा किया था कि मध्यान्ह भोजन मजदूरों को वर्तमान में मिलने वाले मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि की जाएगी, लेकिन 10 माह बीतने के बाद भी इस दिशा में कोई काम नहीं हुआ है। हां, उनकी छंटनी जरूर की जा रही है। साफ है कि भाजपा सरकार के पास इन मजदूरों के काम और आजीविका की सुरक्षा का भी कोई एजेंडा नहीं है।

मध्यान्ह भोजन मजदूर एकता यूनियन (सीटू) के संरक्षक समीर कुरैशी ने बताया कि यूनियन की इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया है और युक्तियुक्तकरण की कार्यवाही रद्द करने के साथ ही इन मजदूरों को नियमित करने और न्यूनतम वेतन देने की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित स्कूलों के पालकों, शिक्षकों और ग्रामीणों को साथ में लेकर एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने की कोशिश सीटू कर रही है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस राज में प्रदेश के हर ब्लॉक में उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानंद स्कूलों के नाम पर एक नवाचार किया गया था, जिसने निजी स्कूलों का विकल्प गढ़ने की कोशिश की थी। इन स्कूलों की ओर आम जनता बड़े पैमाने पर आकर्षित हुई थी। लेकिन भाजपा कभी भी इन स्कूलों के पक्ष में नहीं रही। अब भाजपा के सत्ता में आने के बाद उत्कृष्ट शिक्षा के ये केंद्र धीरे-धीरे और अघोषित रूप से अपनी मौत मरने के लिए बाध्य हैं। इन स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों का संकट पैदा कर दिया गया है, इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का निर्माण करने वाले साधनों का अभाव पैदा किया जा रहा है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कहने के लिए तो बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है, लेकिन पहली से पांचवीं तक के बच्चों को निजी प्रकाशकों द्वारा मुद्रित औसतन 1000 रूपये की पाठ्येत्तर पुस्तकें खरीदवाई जा रही है। इन पुस्तकों की गुणवत्ता भी सोचनीय है। हर सरकारी स्कूल द्वारा अलग-अलग निजी प्रकाशकों की पुस्तकें चलाना उसी प्रकार के भ्रष्टाचार का संकेत है, जो निजी स्कूलों का हिस्सा है। जिस प्रदेश में 95 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 5000 रूपये से कम हो और औसत क्रय शक्ति ग्रामीण परिवारों के लिए 2446 रूपये तथा शहरी परिवारों के लिए 4483 रूपये मासिक हो, वहां पालकों पर पड़ने वाले इस अवहनीय बोझ और इसके कारण शिक्षा क्षेत्र से बाहर होने वाले/रह जाने वाले छात्रों की कल्पना आसानी से की जा सकती है। असर की पिछले साल जारी रिपोर्ट बताती है कि छत्तीसगढ़ में 15 साल उम्र तक के 13.6 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये बच्चे स्कूली शिक्षा के दायरे से बाहर क्यों है, इस पर कभी भी भाजपा की सरकारों ने मंथन नहीं किया।

असर (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) की यही रिपोर्ट स्कूली बच्चों की पढ़ने-लिखने की क्षमता को भी रेखांकित करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पांचवीं कक्षा के केवल 52.7 प्रतिशत बच्चे ही कक्षा-2 के स्तर का पाठ पढ़ पाते हैं, 22.8 प्रतिशत बच्चे ही भाग की क्रिया कर सकते हैं तथा केवल 11.3 प्रतिशत बच्चे ही अंग्रेजी का वाक्य पढ़ सकते हैं। पांचवीं के बच्चों का यह हाल है, तो निचली कक्षाओं के बच्चों की हालत समझ सकते है। बच्चों की इस दयनीय शैक्षणिक स्तर का सीधा संबंध स्कूली शिक्षा की बदहाली से है।

युक्तियुक्तकरण का एक दूसरा पहलू भी है और वह यह है कि जितने सरकारी स्कूल बंद होंगे, शिक्षा के निजीकरण के दरवाजे भी उतने ही चौड़े होंगे। एक सर्वे के अनुसार, पिछले 10 सालों में बंद हुए स्कूलों की जगह सरस्वती शिशु मन्दिर जैसे आरएसएस-संचालित स्कूल उग आए हैं, जो शिक्षा का भगवाकरण करने के लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। ये स्कूल पाठ्यक्रम से बाहर ऐसी पुस्तकों को चला रहे है, जो नितांत अवैज्ञानिक दृष्टिकोण और हिंदुत्व की अवधारणा पर तैयार की गई है और बच्चों को एक सांप्रदायिक नागरिक बनाने का काम करती है। सरकारी रिपोर्ट के अनुसार ही, पिछले 10 सालों में 2000 से अधिक निजी स्कूल खुले है, जिनके फीस के ढांचे और पाठ्य सामग्री पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।

आज नई शिक्षा नीति और शिक्षा के भगवाकरण का चोली-दामन का संबंध है और भाजपा सरकार द्वारा चलाया जा रहा युक्तियुक्तकरण का अभियान शिक्षा के निजीकरण और भगवाकरण के अभियान का ही हिस्सा है। जैसा कि मध्यप्रदेश का अनुभव बताता है, जहां दीनानाथ बतरा सहित आरएसएस से जुड़े 88 स्वनामधन्य लेखकों की पुस्तकों को, जो नितांत सांप्रदायिक और वर्णवादी दृष्टिकोण से लिखी गई है, स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल कर शिक्षा संस्थाओं को इन्हें खरीदने के लिए कहा गया है ; बतरा का यह खतरा जल्दी ही छत्तीसगढ़ के स्कूलों के दरवाजे भी खटखटाने जा रहा है। शुरुआत रविशंकर विश्वविद्यालय से हो चुकी है, जहां फलित ज्योतिष और वास्तु ज्योतिष के पाठ्यक्रम शुरू करके अंधविश्वासों का दीक्षांत महोत्सव आरम्भ किया जा चुका है।

छत्तीसगढ़ में शिक्षक और मजदूर संगठनों के कड़े विरोध के बाद भाजपा सरकार द्वारा युक्तियुक्तकरण की मुहिम फिलहाल रोक दी गई है। लेकिन असली लड़ाई नई शिक्षा नीति के नाम पर लागू की जा रही निजीकरण और भगवाकरण की उस नीति के खिलाफ है, जो पूरे देश के शैक्षणिक जगत को अवैज्ञानिक सोच और अज्ञान के अंधकार में डुबो देना चाहती है और ऐसे मस्तिष्क का निर्माण करना चाहती है, जो अपनी अज्ञानता पर गर्व करे। यह नीति वैज्ञानिक शिक्षा प्रणाली का निर्माण करने और एक वैज्ञानिक-धर्मनिरपेक्ष समाज की रचना करने के संविधान के निर्देश के ही खिलाफ है। इसलिए शिक्षा के निजीकरण और भगवाकरण के खिलाफ लड़ाई वस्तुत: संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ को भी यह लड़ाई लड़नी है।

(लेखक छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।

बस एक प्यारी सी ख्वाहिश हो पति की लंबी उम्र

विवाहित महिलाएं हों या कुंवारी कन्याएं अपने शादीशुदा जीवन को कामयाब बनाने की कामना लेकर सभी भगवान शिव और माता पार्वती की शरण में आते हैं। अगर आप भी शादी के लिए रिश्ते की तलाश में हैं लेकिन अच्छा परिवार और लड़का नहीं मिल पा रहा है तो भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हरतालिका व्रत से आपको मदद मिल सकती है। ताउम्र साथ देने वाला साथी तलाशने में कोई भी बाधा है उसे पार करने में मदद मिलेगी। हरतालिका तीज पर विवाहित महिलाएं ही नहीं बल्कि कुंवारी कन्याएं भी अपनी इच्छा पूर्ति के लिए व्रत करती हैं। जानते हैं हरतालिका तीज पर कौन से उपाय करने से आपको लाभ मिल सकता है। रखें निर्जला व्रत, धारण करें पीले वस्त्र अविवाहित युवतियां जिनकी शादी में अड़चन आ रही है वो हरतालिका तीज के दिन प्रात: काल से ही निर्जला व्रत रखें। प्रदोष काल में आप मंदिर जाएं और ध्यान रहे कि इस दौरान आप खासतौर से पीले वस्त्र धारण करें। मंदिर में मौजूद शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इसके पश्चात आप माता पार्वती को कुमकुम अर्पित करें और साथ ही ? पार्वतीपतये नम: मंत्र का जाप 108 बार करें। मां पार्वती को जो कुमकुम चढ़ाया था, उसे आप स्नान के पश्चात अपने माथे पर भी जरूर लगा लें। जानें किस मुहूर्त में मूर्ति स्थापना रहेगी शुभ पति प्रेम पाने के लिए विवाहित महिलाएं इन चढ़ाए जिन महिलाओं की शादीशुदा जिंदगी अच्छी नहीं चल रही है और अपने पति का प्रेम पाना चाहती हैं वो इस दिन निर्जला व्रत करे। आप सोलह श्रृंगार करके शिव मंदिर जाएं और वहां इत्र और जल चढ़ाएं। पार्वती माता को लाल चुनरी और सिंदूर चढ़ाएं। इसके बाद आप एकांत में बैठकर गौरीशंकराय नम: का 108 बार जाप करें। पूजा जब समाप्त हो जाए तब माता को अर्पित की हुई चुनरी लेकर उसमें 11 रुपए बांधें और इसे अपने पास रख लें। हरतालिका तीज काफी कठिन माना जाता है। माता पार्वती और भगवान शिव जैसे रिश्ते का आशीर्वाद पाने के लिए महिलाएं ये व्रत करती हैं। साथ ही वो पति की सेहत और दीर्घायु की प्रार्थना भी करती हैं। इस दिन महिलाओं का क्रोध करना उचित नहीं माना जाता है। गुस्से को शांत रखने के लिए उन्हें हाथों पर मेहंदी लगाने की सलाह दी जाती है। ये दिमाग ठंडा तथा शांत रखने में मदद करता है। चाणक्य ने सुंदर पत्नी को इन लोगों के लिए बताया है शत्रु के समान पूरी रात जागें हरतालिका तीज का व्रत करने वाली महिलाओं को पूरी रात जागना होता है। ऐसा माना जाता है कि जो महिलाएं इस रात सो जाती हैं उन्हें अगले जन्म में अजगर का रूप लेकर धरती पर आना पड़ता है। हरतालिका तीज की महिमा बेहद खास है। सच्चे मन और भक्ति भाव से इस व्रत को करने वाली महिलाओं और अविवाहित कन्याओं को खुशहाल पारिवारिक जीवन और मनचाहे वर का आशीर्वाद मिलता है।

हरतालिका तीज व्रत के दिन

क्या करें और क्या न करें

बीमार या गर्भवती महिलाओं को हरतालिका तीज व्रत नहीं रखना चाहिए. हरतालिका तीज व्रत महिलाएं रखती हैं. इस व्रत को करने के लिए महीने भर पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं. हो भी क्यों ना, यह व्रत जुड़ा है सुखी दांपत्य जीवन, पति की लंबी आयु और मनचाहे वर प्राप्त करने की मनोकामनाओं से. यह व्रत काफी कठिन होता है क्योंकि इसमें जल, अन्न, फल आदि ग्रहण नहीं करते हैं. काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट के अनुसार, इस व्रत में कड़े नियमों का पालन करना होता है क्योंकि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप और व्रत कई वर्षों तक किया था. आज के समय में वैसा करना संभव नहीं हैं, इसलिए कठोर नियमों से बंधकर निर्जला व्रत किया जाता है.

हरतालिका तीज व्रत में क्या करें

1. व्रत के दिन सूर्योदय से पूर्व जब फल, मिठाई आदि खाना होता है. उस समय में आपको रसीले फल, नारियल पानी आदि का सेवन करना चाहिए ताकि पूरे दिन शरीर में पानी की मात्रा बनी रहे. मिठाई भी इसलिए खाया जाता है ताकि पानी अधिक पी सकें.
2. हरतालिका तीज व्रत की पूजा के लिए सामग्री पहले से ही मंगा लें, ताकि पूजा के समय किसी वस्तु की कमी न हो और उतने से ही आपको असंतुष्टी न हो.
3. व्रत वाले दिन आपको मायके से आई साड़ी और श्रृंगार सामग्री का उपयोग करना चाहिए. ऐसी परंपरा चली आ रही है.
4. यदि आपके पास हरे रंग की साड़ी है तो उसे पहनें या फिर लाल रंग की साड़ी भी पहन सकते हैं. ये दोनों ही रंग सुख और सौभाग्य के प्रतीक हैं.
5. जब शुभ मुहूर्त में माता पार्वती, शिव जी और गणेश जी की पूजा करें तो हरतालिका तीज व्रत की कथा अवश्य सुनें.
6. इस व्रत में हरतालिका तीज के सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक निर्जला रहा जाता है क्योंकि अगले दिन सूर्योदय पूर्व तक तृतीया तिथि होती है. उसके बाद पारण करते हैं. हालांकि जिन लोगों से बर्दाश्त नहीं हो पाता है, वे रात्रि में 12 बजे के बाद पानी पी लेते हैं.

हरतालिका तीज व्रत में क्या न करें

1. व्रत के दिन वे कार्य न करें, जिससे आपकी ऊर्जा का यदि ऐसा होता है तो आप बीमार पड़ सकती हैं.
2. इस दिन अत्यधिक बात करना और गुस्सा करना आपके एनर्जी को कम करेगा. कोशिश करें कि आपका समय भक्ति भजन में व्यतीत हो.
3. व्रत वाले दिन सोने की मनाही होती है. शास्त्रों के अनुसार व्रत में सोना वर्जित है.
4. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो इस दिन पानी पीता है, उसे अगले जन्म में मछली की योनि प्राप्त होती है.
5. यह व्रत सुखी दांपत्य जीवन के लिए रख रही हैं तो इस दिन पति के साथ वाद-विवाद जैसी स्थितियों को न पैदा होने दें. यह बात पति पर भी लागू होती है.

ज्यादा गुस्सा आता है तो यूं करें कंट्रोल

1. बीमार या गर्भवती महिलाओं को इस व्रत को नहीं रखना चाहिए. स्वास्थ्य कारणों से आप इसे करने में असमर्थ हैं तो यह व्रत पति या फिर परिवार के किसी अन्य महिला सदस्य से करा सकती हैं ताकि आपके व्रत का क्रम न टूटे.
2. यदि आप व्रत हैं तो इस दिन अपने मन में किसी के प्रति द्वेष, घृणा जैसी नकारात्मक विचारों को न आने दें. मन, कर्म और वचन से शुद्धता को अपनाएं. तभी व्रत भी सफल होता है.

हरतालिका व्रत

हरतालिका व्रत को हरतालिका तीज या तीजा भी कहते हैं। यह व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र के दिन होता है। इस दिन कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियाँ गौरी-शङ्कर की पूजा करती हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और बिहार में मनाया जाने वाला यह त्योहार करवाचौथ से भी कठिन माना जाता है क्योंकि जहां करवाचौथ में चन्द्र देखने के उपरांत व्रत सम्पन्न कर दिया जाता है, वहीं इस व्रत में पूरे दिन निर्जल व्रत किया जाता है और अगले दिन पूजन के पश्चात ही व्रत सम्पन्न जाता है। इस व्रत से जुड़ी एक मान्यता यह है कि इस व्रत को करने वाली स्त्रियां पार्वती जी के समान ही सुखपूर्वक पतिरमण करके शिवलोक को जाती हैं। सौभाग्यवती स्त्रियां अपने सुहाग को अखण्ड बनाए रखने और अविवाहित युवतियां मन अनुसार वर पाने के लिए हरितालिका तीज का व्रत करती हैं। सर्वप्रथम इस व्रत को माता पार्वती ने भगवान शिव शङ्कर के लिए रखा था। इस दिन विशेष रूप से गौरी-शंकर का ही पूजन किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली स्त्रियां सूर्योदय से पूर्व ही उठ जाती हैं और नहा धोकर पूरा श्रृंगार करती हैं। पूजन के लिए केले के पत्तों से मंडप बनाकर गौरी-शङ्कर की प्रतिमा स्थापित की जाती है। इसके साथ पार्वती जी को सुहमें भजन, कीर्तन करते हुए जागरण कर तीन बार आरती की जाती है और शिव पार्वती विवाह की कथा सुनी जाती है।

पहली बार रख रही हैं हरतालिका तीज का व्रत

तो जान लें कुछ जरूरी नियम

इस साल 18 सितंबर 2023 को हरतालिका तीज का व्रत रखा जा रहा है। इस दिन मां गौरा पार्वती और भगवान शिव शंकर की विधि-विधान से पूजा की जाती है। हरतालिका तीज का व्रत का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए खास होता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और सुख-सौभाग्य की कामना के लिए व्रत रखती हैं। हरतालिका तीज व्रत को करवा चौथ की ही तरह बहुत कठिन माना जाता है, क्योंकि इस दिन व्रत के दौरान अन्न जल का सेवन नहीं किया जाता है। यह निर्जला व्रत होता है।

मान्यता है कि इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है और पति-पत्नी के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है। लेकिन यदि आप हरतालिका तीज का व्रत पहली बार रख रही हैं, तो इस व्रत से जुड़े कुछ नियमों को भी जान लें। आइए जानते हैं हरतालिका तीज वो नियम...

हरतालिका तीज व्रत में इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप हरतालिका तीज का व्रत रख रही हैं इस दौरान दिन में सोने से बचना चाहिए। मान्यता है कि कोई व्रत के दौरान यदि कोई व्रती दिन में सोता है, तो ये शुभ नहीं माना जाता है। वहीं हरतालिका तीज के व्रत को यदि आपने एक बार उठा लिया तो इसे बीच में न छोड़ें। प्रत्येक वर्ष आपको इसे पूरे विधि-विधान से पूर्ण करें। यह निर्जला व्रत होता है। ऐसे में ध्यान रखें कि इस दिन गलती से भी जल या अनाज का सेवन न करें। साथ ही इस दिन अपना पूरा ध्यान भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा में लगाएं।

हरतालिका तीज व्रत के दौरान आपको अपने क्रोध पर काबू और संयम रखना चाहिए। इस व्रत के दौरान मन शीतल और सुकून से भरा होना चाहिए। तभी व्रत का शुभ फल मिलता है।

हरतालिका तीज व्रत के दिन छोटे-बड़े सबका सम्मान करें। इस दिन किसी को कुछ ऐसा न कहें, जिससे उनका दिल दुखे। साथ ही महिलाएं पति से किसी भी प्रकार का झगड़ा न करें और न ही अपशब्द बोलें।

क्यों हरतालिका तीज पर बांधा जाता है फुलेरा

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज महिलाएं पूरे हर्षोल्लास से मनाती हैं। आज के दिन मां गौरा और भगवान शिव जी की विधि पूर्वक पूजा की जाती है। हरतालिका तीज व्रत सुहागिन महिलाओं के द्वारा सुख-सौभाग्य की कामना के लिए रखा जाता है। वहीं कुंवारी लड़कियां भी अच्छे वर की कामना के साथ इस व्रत को रखती हैं। हरतालिका तीज के दिन महिलाएं नख से शिख तक पूरे 16 श्रृंगार करती हैं और भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा करती हैं। करवा चौथ, हरियाली तीज, कजरी तीज और वट सावित्री जैसे सभी व्रतों में हरतालिका तीज का व्रत सबसे कठिन व्रत माना जाता है। ये निर्जला व्रत होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत को करने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है और पति-पत्नी के बीच आपसी प्रेम बढ़ता है। हरतालिका तीज की पूजा में फुलेरा बांधने का विधान है। आइए जानते हैं हरतालिका तीज की पर फुलेरा का क्या महत्व है और इसमें पांच फूलों की माला क्यों बांधी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में शिक्षक दिवस मनाया गया

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में दिनांक - 05 सितम्बर 2024 को शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूवात सर्वपल्ली श्री राधाकृष्णनन जी के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं फूल अर्पित कर किया गया। संस्था के विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में संस्था संचालक, प्राचार्या महोदया एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की कड़ी में संस्था की हेड गर्ल अन्यना श्रीवास्तव एवं डिप्टी हेड गर्ल त्रिशिका बजाज द्वारा शिक्षक दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। साथ ही साथ मंच संचालन का कार्यभार भी विद्यार्थियों द्वारा सराहनीय रूप से सम्पादित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सर्वप्रथम संस्था के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना गाया गया। कक्षा-6वी ब के विद्यार्थियों द्वारा समूह गीत प्रस्तुत किया गया। गीत के बोल थे- वी लव यू टीचर। कक्षा-6वीं के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षा-7वीं ब के विद्यार्थी निष्ठा अग्रवाल एवं वृद्धि मानिकपुरी द्वारा शायरी प्रस्तुत किया गया। कक्षा-7वीं अ के विद्यार्थी अवनी एवं मान्या अग्रवाल द्वारा षिक्षकों के सम्मान में भाषण प्रस्तुत किया गया। साथ ही कक्षा-7वीं ब के विद्यार्थी विष्ववावन पुथल एवं यथार्थ गिरी गोस्वमी द्वारा ज्ञानवर्धक बातें बताई गई। कक्षा-4थी अ के विद्यार्थी प्रतीक गिरी गोस्वमी द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। कक्षा-5वीं अ एवं ब के विद्यार्थियों द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षा-4थी ब के विद्यार्थी माही एवं सात्विकी द्वारा रोचक भाषण प्रस्तुत किया गया। संस्था के विद्यार्थियों द्वारा समस्त षिक्षक-षिक्षिकाओं के लिए भिन्न भिन्न प्रकार की खेल एवं गतिविधि आयोजित कराई गई। गतिविधियों में प्रतिभागी बनकर समस्त षिक्षक-षिक्षिकाएँ रोमांचित एवं प्रसन्न नज़र आये। षिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले सीनियर षिक्षकों का सम्मान भी किया गया। इस श्रेणी में सर्वप्रथम श्रीमती मनदीप कौर एवं श्रीमती मिनीमोल थॉमस जी को शॉल श्रीफ्ल एवं प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर षिक्षकगण गद्गद हो गए। साथ ही साथ सभी षिक्षकों ने अपने अपने अनुभव भी व्यक्त किए। संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी ने षिक्षक दिवस की बधाई दी। संस्था संचालक महोदय जी द्वारा षिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कार्यक्रम के सफ्ल संचालन के लिए शुभकानाएँ दी। साथ ही समस्त षिक्षक-षिक्षिकाओं को प्रतिक चिन्ह एवं स्वल्पाहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के सफ्ल संचालन में संस्था के समस्त विद्यार्थियों एवं समस्त सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

नई 42 एफजे जावा का जानदार जवाब नए 350 अल्फा2 इंजन से लैस एक बोल्ड नियो क्लासिक

पुणे : भारत में 'नियो-क्लासिक' सेगमेंट की अग्रणी कंपनी जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स ने जावा 42 लाइफ़ सीरीज़ की नवीनतम सदस्य, बिल्कुल नई जावा 42 एफजे को लॉन्च किया है। 42 और 42 बॉबर की सफ्लता पर आधारित, जावा 42 एफजे 42 लाइफ़ थीम के लिए एक रोमांचक नया अध्याय है, जो बेहतर डिज़ाइन और बेजोड़ राइडिंग अनुभव के प्रति प्रतिबद्धता का जश्न मनाता है। इस मोटरसाइकिल का नाम जावा के दूरदर्शी संस्थापक फ्रांटिसेक जेनेक से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य आज के मोटरसाइकिल उत्साही लोगों को एक बोल्ड, आधुनिक राइडिंग अनुभव प्रदान करना है। लाइन-अप में इस नए उत्पाद के साथ, जावा 2024 में इस सेगमेंट के लिए नया बेंचमार्क स्थापित करने के लिए डिज़ाइन, पावर, उपस्थिति और अत्याधुनिक तकनीक का मिश्रण करते हुए बड़ी प्रगति करता है। जावा येज़दी मोटरसाइकिल के सह-संस्थापक अनुपम थरेजा कहते हैं, 2024 जावा 42 मोटरसाइकिल इंजीनियरिंग के लिए हमारे डिज़ाइन-आधारित दृष्टिकोण का प्रतीक है। हमने इस बाइक के साथ अपना समय लिया है। 'कीमत-प्रदर्शन' मैट्रिक्स की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और शानदार प्रदर्शन, भव्य रूप और सटीक इंजीनियरिंग का एक बेहतरीन मिश्रण हासिल किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में भोजराज प्रधान का उल्लेखनीय योगदान

बसना (समय दर्शन)। शिक्षा के क्षेत्र में नये कीर्तिमान रचने एवं त्याग, श्रम, साधना ,कठिन मेहनत के साथ नई पीढ़ी के बच्चों को आगे बढ़ाने मे स्कूल शिक्षा विभाग का नाम रौशन करने मे भोजराज प्रधान सदैव कृत संकल्पित हैं । शिक्षा के क्षेत्र में इनकी शिक्षकीय यात्रा प्रशंसनीय रही है ।

एक शिक्षक के रूप मे सरकारी स्कूल से अधिकाधिक बच्चों को नवोदय,प्रयास, विद्यालय भेजने शिक्षक भोजराज प्रधान ने अब तक विगत 10 वर्षों में शताधिक बच्चों को उनके मनवांछित गंतव्य तक पहुंचाया है।

वे कहते हैं कुछ करने के लिए मौसम नहीं - मन होना चाहिए, यही बीजमंत्र शायद इस चेतना के पीछे कारगर रहा है । कभी सप्ताहांत अतिरिक्त कक्षा में बच्चे सूरज की उपस्थिति वाले प्रांगण में अपनी शंकाओं का समाधान करते हैं तो कभी ऑनलाइन क्लासेज के जरिए रात को जुगनू बनने की नन्ही कोशिशों में लगे रहते हैं।

संत कबीर ने कहा था कि आगै थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि। एक प्रखर शिक्षक जो बच्चों को उद्दिप्त करने दीपक थमाता है ।

उनकी रौशनी सदा साथ रहती है। शिक्षक दिवस पर ऐसे मार्गदर्शक शिक्षक का सम्मान होना क्षेत्र के लिए बेहद गौरवपूर्ण बात है। आज के दौर में सरकारी स्कूलों से बच्चों को निकालकर कान्वेंट स्कूलों में भर्ती कराना आम बात है, लेकिन हम आपसे कहें कि, एक सरकारी स्कूल ऐसा भी है ,,जहाँ अनेक स्कूल के सैकड़ों बच्चे आकर उनके विद्यालय में पढ़ाई कर रहे हैं । छत्तीसगढ़ के महासमुन्द जिला अन्तर्गत बसना विधानसभा के पिथौरा विकास खण्ड में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव मे यह कमाल कर दिखाया है। शाला के बतौर प्रधान पाठक भोजराज प्रधान ने इसी समर्पण के कारण छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण

तथा 2022 में राज्य शिक्षक सम्मान (राज्यपाल पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है । सर्व सुविधायुक्त शाला भवन, खूबसूरत बाल उद्यान, शिक्षा की आधुनिक तकनीक आदि सुविधा इस स्कूल में है । यह विद्यालय डिजिटल स्कूलों को मात दे रहा है । इसका पूरा श्रेय भोजराज प्रधान को ही जाता है । अक्टूबर 2022 के पूर्व यह स्कूल भी आम सरकारी स्कूल की तरह था । 17 अक्टूबर 2022 को प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति होकर आने के पश्चात् प्रधान के द्वारा कार्य योजना बनाकर, शाला प्रबंधन समिति, ग्राम पंचायत और पालकों के सहयोग से स्कूल की तस्वीर बदलने का प्रयास किया गया और दो साल में ही यह विद्यालय शिक्षा जगत में शीर्ष पर पहुंच चुका है। 2022 में यहां की दर्ज संख्या मात्र 43 थी जो अब 160 हो चुकी है। भवन और स्टाफकी कमी के कारण इस वर्ष 100 से अधिक बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जा सका। पिछले दो वर्ष में यहां पर शहर के स्कूलों से आकर 100 से अधिक बच्चों ने प्रवेश लिया है। वर्तमान में आसपास के 60 गांव के बच्चें पढ़ रहे हैं। बच्चों को लाने ले जाने के लिए पालकों के द्वारा स्वस्फूर्त 5 वाहनों की व्यवस्था की गई है । 35, 40 किलोमीटर दूर से बच्चे आकर यहाँ पढ़ाई कर रहे हैं। पालक मोहगांव में किराये में घर लेकर अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं। यहां पर स्मार्ट क्लास संचालित है, शानदार शाला परिसर, बाल उद्यान मन की मोह लेती है। प्रधान पाठक भोजराज प्रधान के द्वारा नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, एकलव्य विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जाती है । 2024 में इस विद्यालय से 19 बच्चों का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय हेतु हुआ है साथ ही एक सैनिक स्कूल और दो छात्र एकलव्य विद्यालय हेतु चयनित हुए हैं। बच्चों को शाला समय के अतिरिक्त एक्स्ट्रा क्लास और आनलाइन क्लास के द्वारा नि:शुल्क तैयारी कराते हैं। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं मैं चयनित बच्चों को अपने माता पिता की स्मृति में सम्मान समारोह आयोजित कर स्मृति चिन्ह और मेडल देकर सम्मानित करते हैं। इनके कुशल मार्गदर्शन में अब तक 86 छात्र नवोदय विद्यालय, 4 सैनिक स्कूल 4 एकलव्य विद्यालय हेतु चयनित हुए हैं।

जहाँ पर भी इनकी पदस्थापना होती है सर्वप्रथम शाला प्रांगण को हरा भरा कर देते हैं साथ ही समुदाय को विद्यालय से जोड़?कर विद्यालय में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। इसके पूर्व इन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला भैरोपुर में बेहत्तरीन बाल उद्यान का निर्माण कर अच्छी शिक्षा के माध्यम से लोगों का सरकारी स्कूल के प्रति धारणा को भी बदल चुके हैं। इनके विद्यालय की लोकप्रियता का आलम यह है कि इस अंचल के पालक अपने बच्चों को प्रधान सर के स्कूल में ही भर्ती कराना चाहते हैं । यहाँ के बच्चों को पाठ्?यक्रम के अलावा नैतिक शिक्षा भारतीय संस्कृति, अनुशासन, सामान्य ज्ञान और स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाता है। यहाँ के बच्चों को ज्ञानवर्धक कहानियाँ सुनाना, महापुरुषों की जीवनियों से परिचित कराना नई, नई चीजें सीखाना, शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाकर शिक्षा दी जाती है। शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव को विकसित करने में समुदाय का सहयोग उल्लेखनीय है।

भाजपा का सदस्यता अभियान मुद्दों से भटकाने वाली उनकी राजनीतिक विचारधारा से उपजा : कुलबीर सिंह

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने भाजपा के सदस्यता अभियान को मुद्दों से भटकाने वाली उनकी राजनीतिक विचारधारा से उपजा अभियान करार दिया है। उन्होंने कहा किए देश में सैकड़ों मुद्दे हैं जिनपर तत्काल दीर्घ कार्ययोजना की आवश्यकता है। ऐसे गंभीर समय पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार अपनी असफ्लता छिपाने आडंबर रच रही है। भाजपा के जनप्रतिनिधि और नेता सत्ता में रहकर जो छल देश-प्रदेश की जनता के साथ कर रहे हैं वह अक्षम्य है।

जारी बयान में कुलबीर सिंह छाबड़ा ने कहा कि लगातार लग रहे उलूल-जुलूल टैक्स से व्यापारी परेशान हैं। केंद्र की गलत नीतियों के कारण निजीकरण को बढ़ावा मिल रहा है। आए दिन ऐसे मामले सामने आ रहे हैं। एक के बाद एक देश की चीजें बिकती जा रही हैं, लेकिन भाजपा के लोग सदस्यता अभियान चला कर आम जनता को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री छाबड़ा ने आगे कहा कि प्रदेश में जब से भाजपा सरकार आई है, तब से कानून व्यवस्था चरमराई हुई है। बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। महिलाओं के प्रति अपराध के आंकड़ों में इजाफा हो रहा है और जिम्मेदार इस बारे में कुछ नहीं कर रहे है। भयावह स्थिति है कि महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इन सब विषयों को भूल कर भाजपा अपने सदस्य बनाने का स्वांग कर रही है। छाबड़ा ने कहा कि भाजपा ने पिछली दफे भी करोड़ों लोगों के सदस्यता की बात की थी, लेकिन गुजरात मे ही वह बात फर्जी निकली। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य के मसलों पर भी उन्होंने कहा कि इन विषयों पर भाजपा के पास कोई उपलब्धि नहीं है। वे इन मूलभूत विषयों में फेल हो चुके हैं। जनता महंगाई से त्रस्त है। नौकरी न मिलने से नौजवानों में आक्रोश पनपने लगा है। छग में भाजपा सरकार ने शिक्षकों की भर्ती की बात कही थी, लेकिन सात महीने गुजरे व्यापमं और लोक सेवा आयोग से कोई भर्तियां नहीं निकली है। शिक्षक अलग परेशान हैं। एकल शिक्षकीय शालाओं, स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा कर पाने में सरकार असफ्ल है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी गाहे-बेगाहे बड़े-बड़े वायदों का डिजिटल छलावा लेकर सामने आ जाते हैं, लेकिन खुद उनकी केंद्र सरकार ने मोदी की गारंटी में शामिल एससीआर प्रोजेक्ट को होल्ड कर दिया। वे अपनी सबसे महत्वकांक्षी योजना में ही पिछड़ गए।

अफ्सोस जताते हुए उन्होंने कहा कि, माताओं-बहनों को तीजा के नाम पर बुलाकर मुख्यमंत्री निवास का गेट बंद कर दिया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की अराजकता से जनता में त्राही-त्राही है। ऐसे मुश्किल हालातों से जूझ रहे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सदस्यता अभियान को ढाल बनाया जा रहा है।

संगठन महापर्व सदस्यता अभियान का जांजगीर मे हुआ शुभारंभ

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उपस्थित अतिथिगणो का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए कार्यकर्ताओ द्वारा भारत माता की जयकारा भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद के नारो के साथ की गई भारतीय जनता पार्टी जिला जाँजगीर चाम्पा के सदस्यता अभियान की शुरुआत हो गई है वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक ने जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल को सदस्यता दिलाकर इस अभियान की शुरुआत की पार्टी ने पुरे जिले से डेढ़ लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

जिलाध्यक्ष गुलाब चंदेल ने अभियान को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने सदस्यता अभियान का शुभारंभ एक महायज्ञ के रूप मे किया इस महापर्व का शुभारंभ हमारी राष्ट्रीय कार्यशाला 17 तारीख से प्रदेश स्तरीय कार्यशाला 20 तारीख से और जिले मे मंडल स्तर से लेकर

शक्ति केन्द्र व मतदान केन्द्रो तक इसकी शुरुआत हुई आज हमारी राजनीतिक यात्रा के 73 वर्ष पूर्ण हो चुके है भारतीय जनसंघ के रूप मे हमने 25 वर्ष तक अपनी विचाराधारा को जन जन तक पहुंचाया।

पूर्व विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी का डिजिटल सदस्यता अभियान वर्ष 2014 मे शुरू हुआ था लेकिन साल 2020 मे कोरोना के कारण हम इसे पुरा नही कर सके और इस लक्ष्य को हमने बढ़ा दिया पुरे देशभर मे हमने दस करोड़ सदस्यो के लक्ष्य सहित प्रदेश मे पचास लाख सदस्य बनाने का है सदस्यता अभियान के माध्यम से पार्टी बुथो को भी मजबूत करेगी जहा सभी मतदान केंद्रो पर हमको न्यूनतम 200 सदस्य बनाने होंगे।

सासंद कमलेश जांगडे ने अभियान को सफ्ल बनाने का आग्रह करते हुए हुए उपस्थित कार्यकर्ताओ से कहा कि हमारी पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत?व मे यह देश विकासशील देश से विकसित भारत के सपने को 2047 तक पूरा कर लेंगे आज हमारे देश की सीमाए सुरक्षित है।

सदस्यता अभियान मे अन्य अतिथियो ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया उक्त अभियान कार्यक्रम का संचालन सदस्यता अभियान के सहसंयोजक नंद चौधरी एवं आभार नगर पालिका अध्यक्ष अकलतरा व सदस्यता अभियान सहसंयोजक शांति भारते ने किया। अभियान कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे पूर्व सांसद कमला पाटले जिला संगठन प्रभारी गिरधर गुप्ता सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रशांत सिंह ठाकुर पूर्व विधायक अंबेश जांगड़े प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लीलाधर सुल्तानीया पुरूषोत्तम शर्मा दिनेश सिंह अरूण झाझडिया राम खुबवानी आशुतोष गोस्वामी पंकज अग्रवाल अनिल शर्मा नंदनी रजवाड़े अनुराधा शुक्ला रजनी साहु डा धनेशवरी जागृति प्रेमलता कौशिक जमुना रात्रे प्रदीप पाटले गढ़वाल रामकीरतन कश्यप डा ललित कुरै अनुजराम कुर्मी छत्रपाल सिंह अमित यादव गिरीश मोदी चुन्नीलाल राठौर सहित कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

सैमसंग ने भारत में 4K अपस्केलिंग, एयरस्लिम डिजाइन और नॉक्स सिक्योरिटी के साथ 2024 क्रिस्टल 4K डायनैमिक टीवी लॉन्च किया

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज 41990 रुपये की शुरुआती कीमत पर क्रिस्टल 4K डायनैमिक टीवी लॉन्च किया। यह प्रीमियम टेलीविजन सीरीज दर्शकों के अनुभव नई ऊंचाई पर लेकर जाती है, जिससे उन्हें होम एंटरटेनमेंट के नए युग का आनंद लेने का मौका मिलता है। 2024 क्रिस्टल 4K डायनैमिक टीवी एडवांस्ड तकनीक के साथ आता है जिसमें 4K अपस्केलिंग, एयर स्लिम डिजाइन, डायनैमिक क्रिस्टल कलर, मल्टी वॉयस असिस्टेंट, क्यू-सिम्फनी और क्रिस्टल प्रोसेसर 4K सहित जीवंत विजुअल प्रदान करने वाले फीचर्स शामिल हैं। नया 2024 क्रिस्टल 4K डायनैमिक टीवी क्रिस्टल प्रोसेसर 4K और उत्कृष्ट 4K अपस्केलिंग फीचर्स से

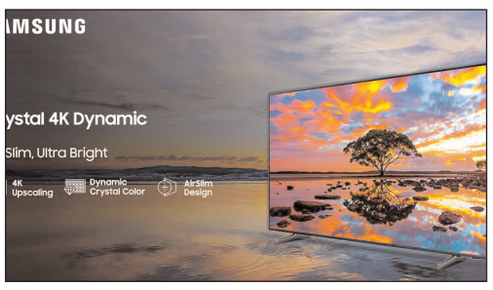

संचालित है जो तस्वीर की गुणवत्ता को लगभग 4K डिस्प्ले की तरह बनाता है। इसकी डायनैमिक क्रिस्टल कलर तकनीक रंगों की जीवंत विविधता प्रदान करती है, जिससे उपभोक्ताओं को प्रत्येक शेड का सूक्ष्म विवरण देखने में मदद मिलती है। एचडीआर फीचर देखे जाने वाले कंटेंट के लाइट लेवल को बढ़ाता है, जबकि कंट्रास्ट एन्हांसर फीचर यह सुनिश्चित करता है कि यह अधिक नैचुरल दिखाई दे और बढ़े हुए कंट्रास्ट के साथ अविश्वसनीय रूप से हर बारीकी नजर आये। टीवी का इनबिल्ट मल्टी वॉयस असिस्टेंट उपभोक्ताओं को बिक्सबी या अमेज़न एलेक्सा का इस्तेमाल करते हुए कनेक्टेड होम अनुभव का आनंद उठाने का मौका देता है। सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर डायरेक्टर विपलेश डांग ने कहा, युवा उपभोक्ता आज के समय में बेहतरीन ऑडियो-विजुअल अनुभव चाहते हैं, चाहे वह खेल हो, ओटीटी या घरेलू मनोरंजन का कोई अन्य फॉर्मेट।

स्वच्छता की भागीदारी सार्वजनिक भागीदारी - कलेक्टर सुश्री चौधरी

14 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जाएगा ''स्वच्छता ही सेवा अभियान''

अभियान के तहत स्कूली बच्चों द्वारा निकाली जाएगी स्वच्छता एवं जागरूकता रैली

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट के सभागार में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 14 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2024 तक आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' के संबंध में जिला स्तरीय स्टीयरिंग समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गई। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन 2024 के उपलक्ष्य में नगरीय निकाय क्षेत्रों में ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान का आयोजन किया जाएगा। संपूर्ण स्वच्छता श्रमदान के अन्तर्गत नगरीय निकायों में स्थित स्थानीय स्मारक, पर्यटन स्थल, नदी-नालों एवं अन्य स्थानों पर आमजन के सहयोग से श्रमदान कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने अभियान की तैयारियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 में सभी नागरिकों को शामिल करने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि अभियान के दौरान स्वच्छता को प्रोत्साहन देने पर बल दिया जाएगा। इस

अभियान के तीन प्रमुख घटक जिसमें जनभागीदारी, सम्पूर्ण स्वच्छता, सफ्ई मित्र सुरक्षा शिविर शामिल किए गए हैं।

कलेक्टर ने नगरीय निकायों में सफ्ई के साथ-साथ सौंदर्यीकरण पर भी फोकस करने कहा। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों के वार्डों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हांकित कचरा वाले स्थानों में स्वच्छता निरीक्षण कर सफ्ई पर विशेष ध्यान रखने को कहा। इस दौरान उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, वेस्ट मैनेजमेंट, सीटी ब्यूटीफिक्रेशन इत्यादि विषयों पर भी फोकस कर योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करने अधिकारियों को निर्देशित किया। स्वच्छता जागरूकता के लिए स्वच्छता दीदीयों, युवोदय एवं गैर सरकारी संगठन का सहयोग लिया जाना सुनिश्चित करें। सभी सामुदायिक शौचालयों का रंग-रोगन का कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने भिलाई स्टील प्लांट के महाप्रबंधक को चिन्हांकित स्थानों पर स्वच्छता संबंधी होर्डिंग्स लगाने एवं लोहे की कलाकृति, लाईट्स एवं पब्लिक स्थानों पर बैंच लगाने व हरियाली के लिए पेड़ पौधे लगाने को कहा।

सफ्ई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन- कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों तथा अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सफ्ई कर्मियों एवं स्वच्छता दीदीयों के लिए शिविर लगाया जाए, ताकि चिकित्सा से संबंधित उपकरण जैसे-इंजेक्शन एवं मरीजों द्वारा उपयोग में लाए गए उपकरणों को नष्ट करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश ध्रुव, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, नगर निगम रिसाली के आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टी केयर की शुरुआत की : ग्राहकों के स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक नई पहल

बैंगलोर: असाधारण अनुभव प्रदान करके ग्राहकों की अपेक्षाओं से आगे निकलने के अपने निरंतर प्रयास में, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने टी केयर की शुरुआत की घोषणा की। यह एक अभिनव पहल है जिसका उद्देश्य अपने सम्मानित ग्राहकों को एक समग्र स्वामित्व अनुभव मुहैया कराना है। टी केयर एक ही ब्रांड के तहत कई तरह के मूल्य-वर्धित प्रस्ताव के समर्थन को एकीकृत करता है। इस तरह यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहक के साथ हर जुड़ाव टोयोटा के विश्वसनीयता, गुणवत्ता और असाधारण देखभाल के मूल मूल्यों को दर्शाता है। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित, टी केयर सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है जो ग्राहक की खुशी को समृद्ध करने और दीर्घकालिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के समर्पण को दर्शाता है। प्रीसेल से लेकर आफ्टरसेल और रीपर्चेज तक सब कुछ कवर करते हुए, टी केयर इन पेशकशों को एक एकीकृत ब्रांड के तहत एकीकृत करता है जिसमें कुछ नाम शामिल हैं, टी डिलीवर फ्लैटबेड ट्रक के माध्यम से नई कार की डिलीवरी के लिए अनूठी अंतिम मील लॉजिस्टिक्स लाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वाहन बिल्कुल नई स्थिति में अपने अंतिम टोयोटा टच पॉइंट तक पहुंचें।

टी ग्लॉस ग्राहकों की कारों को हमेशा शीर्ष स्थिति में रखते हुए, एंड-टू-एंड कार डिटेलिंग सेवाएं प्रदान करता है टी वेब टोयोटा वाहन खरीदने के लिए एक उपयोगकर्ता-अनुकूल ऑनलाइन मंच प्रदान करता है, जो ग्राहकों के लिए सुविधाजनक होता है टी सहायता 5 वर्षों तक 24/7 सड़क किनारे सहायता प्रदान करता है। इस तरह ग्राहकों को समय पर सहायता सुनिश्चित होती है

टी सिक्योर अतिरिक्त 2 वर्षों के लिए विस्तारित वारंटी के साथ मन की शांति प्रदान करता है

टी स्माइल अनुकूलन योग्य, परेशानी मुक्त और लागत प्रभावी प्रीपेड रख-रखाव पैकेज प्रदान करता है

टी साथ काम आने वाले पुर्जों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करता है और इस तरह ग्राहक के करीब पहुंचता है। इससे ग्राहकों को सुविधा मिलती है

टी चॉइस मूल्यवान ग्राहक को काम आने वाले पुर्जों के कई विकल्प प्रदान करता है

टी इंस्पेक्ट प्रयुक्त कार से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के तहत वाहन निरीक्षण सेवाएं प्रदान करता है, जैसे प्रयुक्त कारों की बिक्री के समय, प्रयुक्त कार वित्तपोषण, बीमा नवीनीकरण में ब्रेक, आदि।

टी स्पर्श ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित वन-स्टॉप समाधान की सुविधा। इसके तहत वाहन के चयन पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करता है, टेस्ट ड्राइव की सुविधा प्रदान करता है, और टोयोटा के विविध मॉडलों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करता है।

टी सर्व मल्टीब्रांड कार सेवा नेटवर्क की सुविधा प्रदान करता है , जो ग्राहक संतुष्टि और बढ़ी हुई वाहन विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करते हुए गुणवत्ता वाली सस्ती सेवाएं प्रदान करता है

टी केयर ग्राहकों के अनुभव को व्यवस्थित करने, टोयोटा के साथ उनकी पूरी स्वामित्व यात्रा के दौरान शीर्ष स्तरीय सहायता और सर्वोत्तम समर्थन तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है। इस नई पहल पर टिप्पणी करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के बिक्री, सेवा और प्रयुक्त कार व्यवसाय के वाइस प्रेसिडेंट, श्री सबरी मनोहर ने कहा, टोयोटा में, हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में हमारे ग्राहक होते हैं। हमारा ध्यान हमेशा हर टचपॉइंट पर ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर रहता है।

नामांतरण, बंटवारा सहित लंबित राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण - कलेक्टर अग्रवाल

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

राजस्व बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।उन्होंने अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली, नक्शा बटांकन, अभिलेखों की शुद्धता, डायवर्सन आदि राजस्व प्रकरणों की अनुविभागवार गहन समीक्षा की।कलेक्टर ने लोगों की सहुलियत को ध्यान में रखते हुए लंबित राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये है।उन्होंने प्रकरण निराकरण पश्चात उसका अभिलेख दुरूस्तीकरण भी तय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से उनके क्षेत्र अंतर्गत पंजीकृत राजस्व प्रकरणों की विस्तृत जानकारी ली।साथ ही लंबे समय से दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरण समय-सीमा के बाहर नहीं जाना चाहिए।उनका निराकरण तय सीमा के अंतर्गत हो जाना चाहिए।कलेक्टर ने शासन के मंशानुसार लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सक्रियता के साथ गंभीरतापूर्वक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।कलेक्टर ने वन अधिकार पट्टों का डीजीटाईजेशन,अभिलेख कोष्ठ में अभिलेख जमा करने की स्थिति,मसाहती,असर्वेक्षित ग्रामों का सर्वेक्षण, शासकीय उचित मूल्य दुकान,स्कूल,आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण,पटवारी,राजस्व निरीक्षकों की बैठक लोकसेवा केन्द्र के अंतर्गत लंबित ओवदनों की जानकारी,लंबी अवधि तक अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही एवं लंबित अनुकंपा नियुक्ति के सबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

कलेक्टर ने बैठक में अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों से उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में सभी ग्रामों के नक्शों के जियो रेफ्रेन्सिंग के संबंध में तहसीलवार समीक्षा की।उन्होंने जनशिकायत,जनदर्शन,जनचौपाल इत्यादि प्रकरणों को अभियान चलाकर जल्द ही निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने बैठक में व्यपवर्तन,नगरीय क्षेत्रों में शासकीय व नजूल भूमि का आबंटन,वृक्ष कटाई की अनुमति,ई-कोर्ट पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की स्थिति संबधी न्यायालयीन प्रकरणों के साथ-साथ ऑनलाईन नामांतरण पंजी,डिजिटल हस्ताक्षर ,आधार प्रविष्टि ,अभिलेख शुद्धता,नक्शा बटांकन, आर.बी.सी.-6-4,जाति-आय-निवास प्रमाण-पत्र, पटवारी की उसके मुख्यालय ग्राम में उपस्थिति ,भू-बंटन,भू-अर्जन, वसूली,अवैध उत्खनन, अतिक्रमण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भूमि आबंटन-व्यवस्थापन, लोकसेवा गारंटी एवं वन अधिकार पत्रों का दावा निपटान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की।कलेक्टर ने बैठक में अवैध निर्माण,अवैध कालोनी निर्माण पर कार्यवाही करने,भूमि आबंटन के प्रकरणों में जांच प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने व भू-अर्जन के प्रकरणों में मुआवजा राशि का वितरण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गय।साथ ही भू-राजस्व के वसूली की कार्यवाही में गति लाने,अवैध उत्खनन रोकने एवं अतिक्रमण के मामलों में आदेश पारित करने के उपरांत आदेश के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये गये।

धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में एनआईसी के अधिकारियों ने खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। खरीफ वर्ष 2024-25 अंतर्गत होने वाले धान खरीदी की तैयारियों के संबंध में आज एनआईसी के अधिकारियों ने खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। राज्य स्तर से एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक प्रदीप मिश्रा,आनंद सोनी,साईंटिस्ट के द्वारा केएमएस मे धान खरीदी की तैयारी के संबंध मे धान संग्रहण केंद्र कुंडेलभाठा,धान उपार्जन केंद्र कुंडेलभाठा एवं पीडीएस दुकान चरोदा का भी निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान धान खरीदी की तैयारी मे कृषक पंजीयन की पूरी ऑनलाईन प्रक्रिया की जानकरी ली गई।साथ ही धान खरीदी मे किसान टोकन से लेकर धान खरीदी की प्रक्रिया की जानकरी भी ली गई।अधिकारियों ने कहा कि किसानो को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करना शासन का उद्देश्य रहा है।उसके लिए ऑनलाईन व्यवस्था की गई है।उन्होंने धान संग्रहण केंद्र मे धान के आवक से लेकर जावक तक की पूरी ऑनलाईन प्रक्रिया की जानकरी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।तत्पश्चात अधिकारियों ने पीडीएस दुकानों में ई-पॉस के सम्बन्ध मे तकनीकी जानकरी ली,ताकि हितग्राही को अधिकतम सुविधा दिया जा सके।

गरियाबंद पुलिस को मिली बड़ी सफलता 20 मोटर सायकल के साथ नुवापाड़ा (उड़ीसा) के दो शातिर चोर गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। वर्ष 2019 में थाना देवभोग में हुए चोरी के मामले में मुखबीर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक अमित तुकाराम कांबले एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर के निर्देशन में स्थानीय मैनपुर बाजी लाल सिंह एवं थाना प्रभारी देवभोग निरीक्षक गौतमचंद गावडे की सक्रियता से चोरी की मामले में फिर से खुलासा किया गया। ज्ञात हो कि वर्ष 2019 में प्रार्थी अनुप सिह ठाकुर के द्वारा थाना में 5 मार्च 2019 को 4 बजे जनपद कार्यालय देवभोग मे अपने मोटर सायकल क्रमांक सीजी 04 एलएन 7295 को खड़ाकर कर जनपद कार्यालय देवभोग मे काम करने के बाद वापस आकर देखा तो मोटर सायकल खडे किये स्थान पर नही था।आसपास पता करने पर गाडी कही नही मिला पता करते करते घर गया व घर से अपने छोटे भाई के नई मोटर सायकल एचएफ डिलक्स से दोनो पतासाजी करने के बाद नही मिलने पर वापस रात्रि में अपने घर पहुचकर नई एचएफ डिलक्स को घर के सामने खडा कर सो गये थे,जो रात्रि करीबन 1.30 बजे प्रार्थी के छोटे भाई वॉषरूम करने के लिए उठा तो देखा आंगन मे गाडी नही था जिसे कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया था। सुबह पता चला कि ग्राम घोघर एवं दरलीपारा के मध्य प्राईमरी स्कूल के पास मोटर सायकल को जला दिये हैं, जो मौके पर जाकर देखने से प्रार्थी के वाहन क्रमांक सीजी 04 एलएन 7295 का होना पाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 58/2019 धारा 379 भादवि पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया।विवेचना दौरान 14 मार्च 2019 को डोमान सोनी पिता पिताम्बर सोनी उम्र 27 वर्ष निवासी गंगराजपुर थाना देवभोग से पुछताछ करने पर 5 मार्च 2019 के शाम लगभग 4 से 5 बजे प्रार्थी अनुप सिह के साथ आपसी रंजिश होने से देवभोग जनपद कार्यालय के सामने से मोटर सायकल क्रमांक सीजी 04 एलएन 7295 को चोरी कर दरलीपारा प्राईमरी स्कूल के पास पेट्रोल निकालकर जला देना बताया व मोटर सायकल क्रमांक ओडी 26 सी 7894 एचएफ डिलक्स को चोरी करने से इंकार किया। वही 4 सितंबर 2024 को ग्राम सीनापाली देवभोग से मोटर सायकल क्रमांक ओडी 26 सी 7894 एचएफडिलक्स को चालक नरेष कुमार मांझी पिता चन्द्रमणी मांझी उम्र 24 वर्ष निवासी गोड़ाल थाना सीनापाली जिला नुवापाड़ा (उडीसा) एवं मोटर सायकल के पीछे बैठे खगेष्वर मांझी पिता मालखन मांझी उम्र 25 वर्ष साकिन चाहरपाली थना सीनापाली जिला नुवापाड़ा (उडीसा) को संदेह के आधार पर थाना लाकर पूछताछ करने पर 5 मार्च 2019 की रात्रि को प्रार्थी के मकान से आरोपी नरेष कुमार मांझी पिता चन्द्रमणी मांझी उम्र 24 वर्ष साकिन गोड़ाल थाना सीनापाली जिला नुवापाड़ा (उडीसा) के द्वारा चोरी करना स्वीकार किया।पूछताछ के दौरान ही अलग-अलग स्थानो से मोटर सायकल क्रमांक सीएच 04 एच 3479 पैषन प्लस,ओआर 08 ई 9888 सीडी डिलक्स,सीजी 04 डीवाय 0942 बजाज डिस्कवर,सीजी 07 एलएक्स 7874 एचएफडिलक्स आदि।

शासकीय दायित्वों का निर्वहन नहीं करने पर एक और कर्मचारी पर हुई कार्यवाही

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने शासकीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन नहीं करने वाले एक और कर्मचारी पर कार्यवाही की है।देवभोग तहसील कार्यालय में सहायक ग्रेड-02 पद पर पदस्थ कर्मचारी विजय कश्यप का तीन वार्षिक वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का आदेश जारी किया है।उक्त कर्मचारी के विरूद्ध विधानसभा निर्वाचन 2018 के दौरान उच्च अधिकारियों द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन नहीं करने तथा शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने का आरोप अधिरोपित किया गया था।उक्त आरोपों की जांच के लिए विभागीय जांच भी संस्थित की गई थी।

।। न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग।।

// ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. / अ-27/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक परसादू पिता नीलकंठ साहू निवासी कुरूद प.ह.नं. 46 स्थित भूमि ख.नं. 640/2 रकबा 0.2810 परसादू पिता नीलकंठ साहू के नाम पर दर्ज हैं। उक्त भूमि में आपसी सहमति के आधार पर खाता विभाजन कर पृथक पृथक ऋण पुस्तिका प्राप्त किये जाने बाबत् आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 23.09.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29.08.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाईनगर

मुहर

//न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम (छ.ग.)//

ईकोर्ट क..... ब / 121 वर्ष 2023-24
ग्राम - कुंवा प.ह.नं. 12

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि- आवेदक अगंद पिता पुकराम चन्द्राकर जाति कुर्मी निवासी ग्राम कुंवा तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने पिता पुकराम पिता आजूराम चन्द्राकर के जन्म प्रमाण पत्र आधार कार्ड में सुधार कराने शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के पिता पुकराम का जन्म तिथि पंचनामा के आधार पर दिनांक 02/01/1960 को ग्राम कुंवा में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था की कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 27/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।
पेशी दिनांक - 13/09/2024

तहसीलदार
पिपरिया, जिला- कबीरधाम

मुहर

// न्यायालय नजूल अधिकारी दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.) //

नजूल अधिकारी, दुर्ग का प्र.क्र. 202409103500006 अ 20 (3)/2023 2024

// उद्घोषणा//

आवेदक श्री राजेश जैन पिता श्री उत्तमचंद जैन उम्र 55 वर्ष एवं अन्य-01 निवासी-म.नं. 07 मालवीय नगर, दुर्ग जिला-दुर्ग द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मालवीय नगर, दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15002/2 का भाग रकबा 6000 व.फु (प्लाट नं. 07) को विक्रेता प्रबंधक, दुर्ग जिला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित, राजनांदगांव (छ.ग.) से पंजीकृत बयनामा दिनांक 12/8/24 को क्रय किया गया है, जिसके आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदित भूमि से विक्रेता / संस्था का नाम विलोपित कर आवेदक / क्रेता के नाम पर नामांतरण किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो वह अपना आपत्ति / दावा प्रकरण में 15 दिवस के भीतर न्यायालय नजूल अधिकारी, दुर्ग के समक्ष स्वत: अथवा अपने प्लीडर के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 04.09.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय में मुद्रा से जारी किया गया ।

नजूल अधिकारी
दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग) //

// ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण कमांक 202407100400157 अ-6(अ) 2023-2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक कन्दूला वेंकटेश्वलू रेड्डी आ. कन्दूला क्रिष्णैयया साकिन से. 7 भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.न. 46 तहसील व जिला दुर्ग स्थित ख.न. 329/13 रकबा 0.01 हे. रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से क्रय किया था, जिस पर के. वेंकटेश्वलू रेड्डी आ. कन्दूला क्रिष्णैयया दर्ज है. उपरोक्त नाम को परिवर्तन करने बात राजपत्र में प्रकाशन कराया गया है, जिसके अनुसार कन्दूला वेंकटेश्वलू रेड्डी आ. कन्दूला क्रिष्णैयया सुधार किये जाने के संबंध में आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय दुर्ग के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्त भूमि को उपरोक्त अनुसार सुधार किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24.9.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

मुहर

उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में विधायक ने किया गिरीश शर्मा का सम्मान

गरियाबंद (समय दर्शन)। आज शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन स्वामी आत्मानन्द उत्कृष्ट विद्यालय राजिम में किया गया। इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी विकासखण्ड गरियाबन्द के सहायक शिक्षक गिरीश शर्मा का सम्मान उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में किया गया।शिक्षा विभाग जिला गरियाबन्द द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि रोहित साहू विधायक राजिम विधानसभा थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता आनन्द कुमार सारस्वत जिला शिक्षा अधिकारी ने की।सम्मान समारोह में शासकीय प्राथमिक शाला खट्टी विकासखण्ड में पदस्थ शिक्षक गिरीश शर्मा का सम्मान प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफ्ल देकर किया गया।उल्लेखनीय है कि प्रिंट रिच वातावरण एवं आकर्षक विद्यालय प्रांगण के साथ ही शिक्षा में नवाचार के लिये इससे पूर्व भी गिरीश शर्मा को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार शिक्षा दूत,ऑनलाइन कक्षा,मोहल्ला कक्षा के लिये राज्य शिक्षा विभाग द्वारा प्रशस्ति पत्र,इंदौर (मध्यप्रदेश) में भारत श्री राष्ट्रीय पुरस्कार,अयोध्या (उत्तरप्रदेश) में स्वदेश भारत सम्मान,जिला स्तर पर उत्कृष्ट उदघोषक के लिये जिला प्रशासन द्वारा पुरस्कार से सम्म्मनित किया जा चुका है।आज जिला स्तरीय शिक्षक दिवस सम्मान समारोह में गिरीश शर्मा का सम्मान प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफ्ल देकर विधायक राजिम रोहित साहू ने किया।

// न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202406101500075// मामले की श्रेणी राजस्व

विषय:- अ-6, सन:- 2023-2024
औरी प.ह.न. 00008 (834/1(0.2800 हे.)
पक्षकार का विवरण:- आवेदक पक्षकार गहना भारती, ना. बा. तनमय, इन्द्रवती.
अनावेदक पक्षकार -डोमन दास

// ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका इन्द्रवती पति बेदराम जाति सतनामी, निवासी म.नं. 211, वार्ड 5, ग्राम उमदा, चरोदा भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में फौती नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम औरी. प.ह.नं. 08, तहसील पाटन, जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 834/1 रकबा 0.28 हे. भूमि डोमनदास भारती पिता बेदराम के नाम पर धारित की जाती है। उक्त भूमि के खातेदार स्व. डोमनदास भारती पिता बेदराम की मृत्यु दिनांक 14/11/2022 को हो गयी है। मृतक खातेदार स्व. डोमनदास भारती पिता बेदराम के विधिक वारिसानों में इन्द्रवती (मां), ना.बा. तनमय (पुत्र), गहना भारती (पत्नी) है. अन्य कोई नहीं। अत: आवेदित भूमि में से मृतक खातेदार स्व. डोमनदास भारती पिता बेदराम का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारिसानगणों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है।

अत: आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 25/09/2024 तक स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04/09/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

नवीन मुख्यालय भवन, नगर पालिक निगम, गांधी चौक के पास, रायपुर (छ.ग.)
फोन.नं. 0771-2535780, 90, फैक्स 0771-2227395, ई-मेल :-dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक : 30 /यो शाखा / नपानि / 2024 — रायपुर, दिनांक 05/09/2024

//निविदा आमंत्रण सूचना//

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा अनुभवी अधिकृत विक्रेताओं / एजेंसी / फर्म/निर्माता कंपनी जिन्हें इस प्रकार के कार्य का अनुभव हो सीलबंद निविदा नॉन एस.ओ.आर. आयटम हेतु फार्म ब में ऑयटम दर पर दो लिफाफा पद्धति से दिनांक 27.09.2024 को अपरांह 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र कार्यालयीन अवधि एवं समय पर योजना शाखा से दिनांक 24.09.2024 तक निर्धारित शुल्क अदा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 27.09.2024 को अपरान्ह 4:30 बजे उपस्थित निविदाकार/उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का विवरण	आगणित (राशि रू.)	अमानती (राशि रू.)	निविदा प्रपत्र (राशि रू.)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य अवधि
	1. हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्र. - 36 अंतर्गत मौदाहापारा स्थित पुलिस लाईन कॉलोनी की रिक्त जगह पर 01 सेट **Outdoor Open Gym Equipments** स्थापना कार्य।	4,93,664.00	7,500/-	750/-	निर्माता कम्पनी/ अनुभवी अधिकृत फर्म	01 माह

नियम एवं शर्तें :-
1. सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जावेगी ।
2. अमानती राशि राष्ट्रीयकृत बैंक से जारी एफ.डी.आर. अथवा बैंक ड्राफ्ट के रूप में आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से स्वीकार होगी।
3. लिफाफा (अ) में अमानती राशि एवं लिफाफा (ब) में वित्तीय आफर ।
4. लिफाफा (अ) में राशि रू. 100/- के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर में निविदा के साथ प्रस्तुत किये जाने वाले समस्त दस्तावेजों के सत्यापन संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
5. कार्य की स्पेशिफिकेशन एवं अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
6. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त नगर निगम, रायपुर को होगा।
7. न्यूनतम 03 वर्ष की अवधि हेतु **Outdoor Open Gym Equipments** सफल संचालन एवं संधारण कार्य का प्रमाण पत्र, कार्यादेश की छायाप्रति एवं कार्य पूर्णता प्रमाण-पत्र उपरोक्त कार्य हेतु शासकीय विभाग के कार्यपालन अभियंता अथवा समतुल्य अधिकारी से प्रमाणित प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा ।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन इंग्लिश मीडियम स्कूल बंसुला में शिक्षक दिवस मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। बसना के किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बंसुला में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह आठ बजे स्कूल के विद्यार्थी, प्राचार्या, शिक्षक व अन्य स्टाफ स्कूल पहुँचकर भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्व पल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप भव्यता के साथ मनाया गया । इस अवसर पर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य आर. के. दास उपस्थित रहे। सर्वप्रथम कार्यकम की मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधान पाठक आर बी प्रधान , सेवक दास दीवान, अभय धृतलहरे के द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया गया।

तत्पश्चात् संबोधन की कड़ी में मुख्य अतिथि आर बी प्रधान ने शिक्षक के शाब्दिक अर्थ की व्याख्या कर शिक्षक की महत्ता

पर प्रकाश डाला,एवं अपने 41 वर्ष की सेवा काल के मध्य कर्तव्य परायणता के संबंध में अत्यंत हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक वक्तव्य दिए।

संबोधन की कड़ी मे धाकृष्णन् के जीवनी के साथ सभी शिक्षकों का सम्मान उपहार देकर, केक काटा गया। इसके पश्चात् शिक्षकों को कार्यक्रम के अतिथियों द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर उपहार दिया गया।सम्मान पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमे छोटे छोटे बच्चों द्वारा शैक्षिक व देशभक्ति गीतो पर आकर्षक परफर्मेंस दिया। इस दौरान प्राचार्य भगवती जगत, उप प्राचार्य नंदनी प्रधान, तन्नू निशा, हसीना बेगम उषा बीसी, बासमती जगत, हेमा साव, दीपिका साव,शबनम एवं पालक तथा शाला स्टाप उपस्थित रहे।

रोहिना हाईस्कूल में साइकल का वितरण

■ हाईस्कूल की छात्राओं को मिली सायकल

सागरपाली (समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल रोहिना में नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा 9वीं के छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया। वितरण समारोह के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत रोहिना सरपंच श्रीमती जज्ञसिनी चूड़ामणी साहू थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष नेपाल साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पं. रोहिना सचिव उसत, पंच विजय राणा, खिरोद्र साहू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती के तैलचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस योजना से उन बच्चों को लाभ मिल रहा जो स्कूल आने के लिए साधन न होने के कारण बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते थे। उन्होंने बालिकाओं को नियमित रूप से साइकिल से समय पर पढ़ने आने अपील की। नेपाल साहू ने पढ़ाई के साथ साथ आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। शिक्षक एके पटेल ने सरस्वती सायकल योजना की जानकारी देते हुए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता कमलेश साहू व आभार प्रदर्शन शिक्षक एस के पटेल ने किया। इस अवसर पर कैलाश कमार, लीला पटेल, कन्हैया बरिहा पालक तुलाराम राणा, फूलसाय गंधेल, नेपाल यादव, अश्विनी बंजारा, संकीर्तन भोई सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

विधायक गजेंद्र यादव की पहल - व्यवस्थित होगा इंदिरा मार्केट और शीतला सब्जी मंडी

दुर्ग (समय दर्शन)। पद्मनाभपुर स्थित सब्जीमंडी और इंदिरा मार्केट में अब जलभराव नहीं होगा, बारिश का पानी न ठहरे इसके लिये पसरा की हाईट बढ़ाकर नाली बनाई जाएगी। शहर विधायक गजेंद्र यादव ने आज मॉर्निंग विजिट में दोनों मार्केट में समस्या सुनने पहुँचे और व्यापारियों के साथ निरिक्षण किये। मार्केट में आने वाले ग्राहकों के लिए व्यवस्थित पार्किंग और अत्याधुनिक सार्वजनिक सुलभ भी बनाने इंजिनियर को निर्देश दिये।

व्यापारियों के आग्रह पर विधायक गजेंद्र यादव आज दुर्ग विधानसभा अंतर्गत दो बड़े सब्जी मंडी का निरिक्षण किये। मार्केट में मुलभुत समस्याओं को लेकर सब्जी विक्रय करने वालों की समस्याओं से रूबरू होने उनके बीच पहुँचे। शीतला सब्जी मंडी के व्यापारियों ने बताया की निकासी नाली नीचे होने के कारण बारिश का पानी भर जाता है। इस दौरान मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियो के साथ मार्केट में जलभराव को रोकने नाला तक नाली बनाने निर्देश दिये। इसके अलावा मंडी परिसर में व्यापार को बढ़ाने दुकान का निर्माण कर सब्जी मंडी का उन्नयन किया जायेगा ताकी हजारों की संख्या में आने वाले जनता को एक स्थान पर सभी

प्रकार के सुविधा मिल सके।

इंदिरा मार्केट का होगा विस्तार –

शहर के ह्रदय स्थल पर स्थित इंदिरा मार्केट का भी विस्तार किया जाना है। बाबूलाल सैनी, जितेंद्र सोनकर, मितेश पटेल, हर्ष अग्रवाल सहित स्थानीय सब्जी व्यापारियों ने मार्केट पहुँचे विधायक गजेंद्र यादव को बताया की पानी निकासी नहीं होने से मार्केट में किचड़ होने लगा है जिससे फ्ल सब्जी खरीदने के लिए आने वाले नागरिकों को परेशानी होती है। समस्या के निराकरण करने उन्होंने विभागीय इंजिनियर को मौके पर बुलाकर नाप कराये और प्राकलन तैयार करने निर्देशित किये। इंजीनियर मार्केट से पानी निकासी करने लेवल का सर्वे कर पसरा के हाईट को बढ़ाकर नाली निर्माण करेंगे। इस दौरान व्यापारियों ने शेड को बढ़ाने की मांग भी किये।

शहर के मध्य में स्थित मार्केट में दुर्ग के अलावा जिलेभर से नागरिकों का आना जाना लगा रहता है ऐसे पार्किंग का विस्तार करने और अत्याधुनिक सार्वजनिक सुलभ बनाने व्यापारियों ने विधायक श्री यादव से मांग किये।

12270 रूपये अर्थदण्ड वसूला गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग नहीं देने वालो से

भिलाईनगर (समय दर्शन)। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग दिये जाने निरंतर अपील की जा रही है। इसके जागरूकता हेतु स्व सहायता समूह की महिलाओ द्वारा डोर-टू-डोर जाकर जागरूक किया जा रहा है। गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले मे वर्षो से मुनादी पर भी कराई जा रही है। प्रत्येक परिवार व दुकान को नगर निगम भिलाई द्वारा गीला कचरे के लिए हरा डस्ट बिन एवं सूखे कचरे के लिए नीला डस्ट बिन दो बार वितरित किया गया। कई स्तरो से समझाइस भी दी गई, लेकिन सामान्यत: लोगो के व्यवहार में परिवर्तन नहीं होने के कारण नगर निगम भिलाई द्वारा अब अर्थदण्ड वसूलने की कार्यवाही की जा रही है। विगत 2 माह से स्व सहायता समूह की बहनो द्वारा घर-घर जाकर परिवार की महिलाओ से मिलकर उन्हे समझाइस भी दी जाती रही है। फिर भी एक ही डब्बे मे डालकर कचरा सफाई मित्र को देते है। घरो व दुकानो में एक ही डब्बे मे दोनो प्रकार के कचरे को डालकर रखते है कभी-कभी तो सामने के नाली में भी फेंक देते है। जो स्वच्छता के लिए सबसे बड़ी परेशानी का कारण बन रहा है।

इसी कड़ी में नेहरू नगर जोन 01 के 22 मकान एवं दुकानो से 2980 रूपये, जोन 02 के 38 मकान एवं दुकानो से 7630 रूपये, जोन 03 के 33 मकान एवं दुकान से 900 रूपये, जोन 04 से 38 मकान एवं दुकान से 760 रूपया कुल 131 मकान से 12270 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित करने की कार्यवाही की गई। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किया है कि आदतन जो परिवार या दुकानदार निरंतर एक ही डब्बे में कचरा डालकर देते हुए या नाली में फेकते हुए पाये जाते है, उनसे अर्थदण्ड वसूला जाये। पहले 50 रूपये से शुरू करे नहीं सुधरे तो बढ़ाते जावे। सब तरह के समझाइस दिये जाने के बाद भी नहीं मानने वालो से नगर निगम भिलाई के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अर्थदण्ड वसूला जा रहा है। महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिको से अनुरोध किया है कि नगर निगम भिलाई के संसाधन सीमित है। शहर के सफाई में सबका हाथ और साथ होना चाहिए। तभी हमारा भिलाई स्वच्छता सर्वेक्षण में अग्रणी बन पायेगा। कचरा सब लोग देते है बस आदत सुधार लें। गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग डब्बे में डालकर ही देवें।

मिनी माता चौक पुलगांव, फुटपाथ पर कब्जा कर दुकान लगाने वालों को निगम ने हटाया

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश चौक चौराहों से अतिक्रमण हटाने की मुहिम के अन्तर्गत दुर्ग नगर निगम में प्रतिदिन अभियान चल रहा है।आज गुरुवार को पुलगांव मिनी माता चौक से अमले ने सडक़ फुटपाथ में समान फैलाकर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय करने वालों के खिलाफ कारवाई की गई। स्थल से हटाकर सडक़, फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराया।अवैध रूप से सडक़ के किनारे व फुटपाथ पर कब्जा कर पान ठेले फ्ल ठेले,बांस बल्ली लगाकर होटल चलने वाले दुकान,कपड़े दुकान के बाहर समान कपड़े व अन्य सामग्रियों को फैलाकर दुकानें लगाई थी सडक़, फुटपाथ पर मु य मार्ग के किनारे दुकानें सजाने से अनावश्यक भीड़ एकत्रित होती

थीए इससे सडक़ दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी और आम नागरिकों एव वाहन चालकों को आवागमन में असुविधा होती थी। शहर भ्रमण के दौरान आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने उक्त स्थल का निरीक्षण भी किया। निगम के अतिक्रमण दस्ते ने कार्रवाई करते हुए राजस्व अधिकारी एवं अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,भवन निरीक्षक विनोद मांझी,प्रभारी अधिकारी योगेश सूरे सहित टीम द्वारा सडक़ व फुटपाथ में दुकान लगाने लोगों को समझाइश दी गई।लगातार इन गतिविधि पर विशेष फोकस किया जा रहा है जिंसमे प्रतिदिन नालियों की तली की सफाई, सार्वजनिक क्षेत्र की सफाई लगातर झाडियों की कटाई, बाजार क्षेत्रो में दुकानदारों द्वारा झिल बेचने पर टीम द्वारा कार्रवाई के साथ कटाई, बाजार क्षेत्रो में दुकानदारों द्वारा प्रतिबंधित झिल्ली पन्नी बेचने पर टीम द्वारा कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लिया जा रहा है और मुक्कड़ की सफाई मच्छर उन्मूलन कार्य एवं मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए विशेष फोकस, सडक़ों पर सी एंड डी मलबे की साफ-सफाई किया जा रहा है।नगर निगम राजस्व एवं अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के नेतृत्व में टीम अमले ने मिनी माता चौक क्षेत्र से सड़क फुटपाथ में समान फैलाकर अनाधिकृत रूप से व्यवसाय करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। स्थल से हटाकर सड़क, फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

छात्र-छात्राओं को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में दी गई जानकारी

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय पाटन में संकल्प कार्यक्रम कराया गया। यह कार्यक्रम दुर्ग जिला पुलिस के द्वारा चलाए जा रहा है जिसमें नशा के खिलाफ यह अभियान कारगर साबित हो रही है। कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पाटन के एसडीओपी ने छात्र-छात्राओं को नशा से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि नशा का परिणाम हमेशा ही दुखद ही होता है। हम सब नशा से दूर रहना चाहिए। कार्यक्रम में कल्याणी नाशमुक्ति समूह, जनप्रतिनिधि , आम नागरिक एसडीओपी पाटन आशीष बँछोर डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर, महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापक मीडिया विद्यार्थीगण शामिल हुये।

ग्रीन ग्राम सपोस में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों व वरिष्ठो का सम्मान किया गया

बसना(समय दर्शन)। ग्रीन ग्राम सपोस में पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में ग्राम प्रमुखों द्वारा शिक्षक दिवस मनाकर भारतवर्षपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया गया और प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षको का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया । शिक्षक दिवस पर प्रधान पाठक रबी बंजारा, शिक्षक सरदार,नरेंद्र बोरे, राजमहन्त पी .एल .कोसरिया ने विचार ब्यक्त किये।राजमहन्त पी एल कोसरिया नेभारत मे रामायण व महाभारत काल गुरुकुल परम्परा गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते शिक्षको की वर्तमान स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि गुरू का स्थान सदा आदरणीय व उच्च होता है ।शिक्षको छात्र छात्राओं के भविष्य निर्माण के साथ राष्ट्र निर्माण में भी प्रमुख योगदान रहा है,महन्त कोसरिया ने शिक्षक दिवस पर गुरुओ को नमन करते व शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों से अपील एवं आग्रह किया कि , बच्चों को किताबी ज्ञान के अलावा नैतिक शिक्षा, व

अपने भारतीय संस्कृति का जानकारी देते हुए संस्कार वान बनायें । प्रधान पाठक रबी बंजारा ने अपने उद्बोधन में विदेश व अपने देश मे शिक्षा के तुलनात्मक अध्ययन व जानकारी देते कहा कि सिंगापुर जैसे देश जो 1965 में आजादी हासिल किया आज विश्व पटल पर विकास में चौथे स्थान पर है और भारत देश का स्थान 129वे पर।उन्होंने बच्चों को अनुशासित रहने और उच्च शिक्षा प्राप्त कर पालक, शिक्षक व ग्राम नाम रोशन करने कहा की अनुशासन ही देश को महान बनाता है ।शिक्षक व बसना विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल के निज सहियक नरेन्द्र बोरे ने शिक्षा विभाग की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से जानकारी देते हुए विद्यालय में विद्यार्थियों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने ग्राम गबोद सपोस के पालको का संयुक्त बैठक आयोजित कर शिक्षा के लिए जागरूक करने विचार ब्यक्त किया। इस अवसर पर, किशोरचन्द बघेल पूर्व सैनिक , श्रीमती पूजा सिंह ठाकुर उपसरपंच,अश्वनी विशाल, डी एम यादव, सुभाई साहू,गणेश यादव, ग्राम के गणमान्य नागरिक ,शिक्षक , छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

शाला विकास एवं प्रबंधन समिति ने मनाया शिक्षक दिवस

पाटन (समय दर्शन)। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर आज स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल में शाला विकास एवम् प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। महान शिक्षाविद् सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को याद कर शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान के लिए स्कूल आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्कूल परिसर को सजाकर स्वागत किया और गुरुजनों के प्रति सम्मान जताया। ज्ञान की देवी मां सरस्वती और सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया शाला विकास एवम् प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुणाल शर्मा एवम् शिक्षाविद् भास्कर सावर्णी, पदेन सदस्य योगेश निक्की भाले, सदस्य नीतेश तिवारी, राज देवांगन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष कुणाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा शिक्षक के बिना एक सभ्य , सुशिक्षित समाज की कल्पना नही की जा सकती परिश्रम ही सफ्लता की कुंजी है। विद्यार्थियों की सफ्लता ही शिक्षकों का सबसे बडा सम्मान है शिक्षाविद् भास्कर सावर्णी ने कहा विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों का स्थान माता पिता जैसा ही है सभी बच्चों को शिक्षा और शिक्षक के महत्व के बारे में विस्तार से बताया स्कूल की प्रिंसिपल वेलेनटीना मसीह ने अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया उन्होंने कहा शिक्षक दिवस एक ऐसा अवसर है जब हम राष्ट्र निर्माण में अपनी समर्पित सेवा को पहचान देते हैं शिक्षक ही बच्चो के बौद्धिक एवम् नैतिक बुनियाद तैयार करने एवम् इसे मजबूती प्रदान करने में जुटे हैं। मंच संचालन शिक्षिका संगीता घाटगे ने किया उद्बोधन पश्चात सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया प्रिंसिपल वेलेनटीना मसीह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया शिक्षको का सम्मान, पाटन के आडोटोरियम में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत के आडोटोरियम में आज शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पाटन विधानसभा के शिक्षकों का सम्मान किया । इसके अलावा जितने भी शिक्षक पिछले एक में सेवा निवृत हुए है उनका विशेष सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षको को महत्ता का बखान किया। इस अवसर पर विशेष रूप से सीता राम वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र कश्यप, इंदिरा कला संगीत विश्व विद्यालय की पूर्व कुलपति ममता चंद्राकर, वशिष्ठ अतिथि कुर्मी समाज पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष सीताराम वर्मा, शिक्षाविद सैय्यद फजिल मौजूद रहे। पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बारी बारी से सभी शिक्षकों का सम्मान किया इस अवसर पर मुख्य रूप से ।आशीष वर्मा, अशोक साहू उपाध्यक्ष जिप दुर्ग,अश्वनी साहू,महेंद्र वर्मा,राजेश ठाकुर,शंकर बघेल,भेष आठे,सोहन जोशी,ललित सिन्हा ,तरुण बिजौर,देवेंद्र चंद्रवंशी,दिनेश साहू,अजय सिंगौर,नीरज सोनी,गोपाल देवांगन,प्रशांत शुक्ला,बालाराम कोसरे,राजाराम गहीरवार,चंद्रभान साहू,चंद्रहास साहू,मनीष पटेल,डा के के साहू,बबलू यदु,डा ईश्वर निषाद,प्रेमप्रकाश पांडे,डेविड चंद्राकर,संतोष देवांगन सहित अन्य मौजूद रहे।

शराब सेवन कर ड्यूटी आने वाले प्रधान पाठक और सहायक शिक्षक हुए निलंबित

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देशन में जिला में शिक्षा व्यवस्था को एक नए आयाम देने जमीनी स्तर पर सतत मॉनिटरिंग किया जा रहा है। मद्य पान सेवन कर स्कूल आने वाले प्रधान पाठक साधराम खटकर और सहायक शिक्षक सुकुल बाबू भास्कर शासकीय प्राथमिक विद्यालय चारभाठा विकासखंड बिलाईगढ़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। कलेक्टर जनदर्शन में ग्रामीणों के द्वारा शिकायत किया गया, जिस पर संवेदनशील कलेक्टर धर्मेश साहू ने तत्काल जांच कर प्रतिवेदन जमा करने विकासखंड शिक्षा अधिकारी बिलाईगढ़ को निर्देशित किया था, जिसके पालन में विगत 2 सितंबर को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी एलपी पटेल ने तत्काल प्रभाव से उक्त दोनों शिक्षकों को निलंबित कर दिया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24